epaper.dehatsandesh.com

3 अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर ग्रामीणों को एचआईवी/एड्स के प्रति किया जागरूक

5 विमेंस स्पीड चेस चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टरफाइनल में पहुंची दिव्या देशमुख

8 सुरक्षा बढ़ाने के लिए सांबा के सीमावर्ती इलाकों में रात्रि कर्फ्यू लगाया गया

मौसम जम्मू — न्यूनतम 26 — अधिकतम 31

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-200 | जम्मू तवी, बुधवार 13 अगस्त, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

तिरंगा यात्रा में शामिल हुए उपराज्यपाल, बलिदानियों को सम्मान देने का आह्वान

" हज़ारों लोग गर्व से राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने के लिए शामिल हुए, जो हमारी एकता, गौरव और साझी पहचान का प्रतीक है

श्रीनगर, 12 अगस्त (। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मंगलवार को तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की। श्रीनगर में तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए उन्होंने नागरिकों से देश की स्वतंत्रता और सुरक्षा के लिए बलिदान देने वालों का सम्मान करने का आह्वान किया।

उन्होंने साम्राज्यवादी उपनिवेशवाद से मुक्त कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए पहलगाम हमले का बदला लेने वाले सशस्त्र बलों और पुलिस की भूमिका को सराहा। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले पांच वर्षों में तिरंगा यात्रा के प्रति उत्साह और भी बढ़ गया है। तिरंगा यात्रा का विशेष महत्व है, क्योंकि यह विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

उन्होंने कहा कि 2 अगस्त से हमने हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया और जम्मू-कश्मीर के युवाओं में जो ऊर्जा दिखी, वह प्रेरणादायक है। हमने तिरंगे के लिए जीने और उसके सम्मान के लिए खुशी-खुशी अपनी जान कुर्बान करने का संकल्प लिया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए अथक प्रयास करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को भी श्रेय दिया।

मुख्यमंत्री उमर ने कृषि में आत्मनिर्भरता पर ज़ोर दिया, नए नियुक्तियों को नियुक्ति आदेश सौंपे

श्रीनगर 12 अगस्त। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की अत्यंत आवश्यकता पर ज़ोर दिया और कहा कि ये क्षेत्र क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और इनमें रोज़गार की अपार संभावनाएँ हैं।

मुख्यमंत्री ने ये बातें शालीमार कन्वेंशन सेंटर, स्कॉस्ट-के में एक कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहीं, जहाँ उन्होंने नवनियुक्त पशु चिकित्सा सहायक शल्य चिकित्सकों और बागवानी विकास अधिकारियों को औपचारिक रूप से नियुक्ति आदेश सौंपे।

नए नियुक्तियों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने .षि की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया और जम्मू-कश्मीर के सकल घरेलू उत्पाद में इसके महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हम अन्य क्षेत्रों में चाहे कितनी भी प्रगति कर लें, कृषि और उससे संबद्ध क्षेत्रों का कोई विकल्प नहीं है, जो हमारे सकल घरेलू उत्पाद में सबसे अधिक योगदान देते हैं। उन्होंने .षि और पर्यटन के बीच प्रतिस्पर्धा की धारणा को खारिज करते हुए इस बात पर ज़ोर दिया कि रोज़गार और विकास के प्रमुख अवसर कृषि क्षेत्र में ही निहित हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने डेयरी क्षेत्र पर सरकार के ध्यान के बारे में विस्तार से बात की और जम्मू-कश्मीर के हर दो ज़िलों में एक डेयरी प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने की योजना की घोषणा की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दैनिक दूध उत्पादन का केवल 4 प्रतिशत ही संसाधित किया जाता है, जिससे 96 प्रतिशत कच्चा माल औद्योगिक उपयोग के लिए उपलब्ध रहता है।

उन्होंने कहा, यह एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ हमारे पास उद्योग के लिए कच्चा माल उपलब्ध है और हमें इसे आयात करने या बाहर बाज़ार तलाशने की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि प्रसंस्.त दूध, असंसाधित दूध की तुलना में किसानों के लिए कहीं अधिक मूल्य उत्पन्न कर सकता है।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने .षि क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी बात की, जिनमें बढ़ती जनसंख्या, घटती .षि भूमि और अप्रत्याशित मौसम पैटर्न शामिल हैं।

उन्होंने सतत विकास और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए जैविक खेती, वर्टिकल फार्मिंग और पॉलीहाउस जैसी नई विधियों और तकनीकों को अपनाने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने मांस जैसे उत्पादों के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहने के जोखिमों के प्रति आगाह किया और गुणवत्ता और रखरखाव संबंधी चिंताओं का हवाला दिया।

नए अधिकारियों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने उनसे अपनी भूमिकाओं के प्रति समर्पित होने का आग्रह किया।

मंडलायुक्त द्वारा एम.ए. स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस 2025 समारोह की तैयारियों की समीक्षा

जम्मू, 12 अगस्त। मंडलायुक्त रमेश कुमार ने एम.ए. स्टेडियम का दौरा कर मंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 की तैयारियों की समीक्षा की। उप महानिरीक्षक जम्मू-सांबा-कठुआ, उप महानिरीक्षक यातायात, जम्मू के उपायुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुरक्षा, विभागाध्यक्ष और पुलिस एवं नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।आयोजन स्थल पर, मंडलायुक्त ने संबंधित विभागों द्वारा की गई तैयारियों की समीक्षा की, जिसमें बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा, पार्किंग, प्रवेश द्वार, प्रतिभागियों और नागरिकों के लिए परिवहन, बिजली आपूर्ति,

पेयजल, चिकित्सा सुविधाएं, स्वच्छता, सजा ट, शौचालय और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं शामिल थीं।

मुख्य सचिव ने केआईडब्ल्यूएसएफ को स्थानीय पर्यटन, कला और संस्कृति का एक भव्य प्रदर्शन बनाने के लिए बधाई दी

श्रीनगर 12 अगस्त। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने नागरिक प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें 21 से 23 अगस्त तक प्रतिष्ठित डल झील पर आयोजित होने वाले खेलो इंडिया जल क्रीड़ा महोत्सव 2025 के पहले संस्करण की तैयारियों की समीक्षा की गई।

इस आयोजन को कश्मीर के बहुमुखी आकर्षण को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का एक अनूठा अवसर बताते हुए, मुख्य सचिव ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस महोत्सव को स्थानीय पर्यटन, हस्तशिल्प, कला और संस्.ति के एक भव्य उत्सव में परिवर्तित किया जाना चाहिए।

उन्होंने हस्तशिल्प और हथकरघा विभाग को निर्देश दिया कि वे उच्च-स्तरीय प्रदर्शनियाँ आयोजित करें, जो इस आयोजन के दौरान आने वाले आगंतुकों के लिए क्षेत्र की समृद्ध शिल्पकला को प्रदर्शित करें।

मुख्य सचिव ने कहा कि श्रीनगर में पर्यटन के चरम मौसम के साथ मेल खाते इस उत्सव का समय, आने वाले एथलीटों, अधिकारियों और दर्शकों पर स्थायी प्रभाव डालने का एक आदर्श अवसर प्रदान करता है। उन्होंने युवा सेवा एवं खेल विभाग से इस उत्सव का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया ताकि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय आने वाले वर्षों में श्रीनगर को इस उत्सव के नियमित आयोजन स्थल के रूप में देख सके।

उपराज्यपाल के कार्यवाही बंद करने के आदेश के बाद डीएसपी शेख आदिल बहाल

श्रीनगर, 12 अगस्त । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल द्वारा विभागीय कार्यवाही बंद करने के आदेश के बाद पुलिस उपाधीक्षक शेख आदिल को सेवा में बहाल कर दिया गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि यह कदम जाँच एजेंसी की उस रिपोर्ट के बाद उठाया गया है जिसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोपों में कोई तथ्य नहीं पाया गया था और मामले को सिद्ध नहीं मानते हुए बंद कर दिया गया है। माननीय न्यायालय ने उचित विचार-विमर्श के बाद भारतीय दंड संहिता के तहत संबद्ध अपराधों के लिए आरोप पत्र भी खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि जाँच आयोग ने विस्तृत और निष्पक्ष जाँच के बाद उप पुलिस अधीक्षक शेख आदिल को सभी आरोपों से पूरी तरह मुक्त कर दिया है।

सूत्रों ने आगे कहा कि इसके साथ ही खुफिया शाखा ने अपना स्वतंत्र मूल्यांकन किया और क्लीन चिट जारी कर दी। उन्होंने पुष्टि की कि इन निष्कर्षों के प्रकाश में जम्मू-कश्मीर सरकार ने विभागीय कार्यवाही को औपचारिक रूप से सिद्ध नहीं मानते हुए बंद कर दिया है और उन्हें तुरंत सेवा में बहाल करने का आदेश दिया है

जम्मू संभाग के विभिन्न जिलों में भारी बारिश के कारण आई बाढ़, दो इमारतें क्षतिग्रस्त, कुछ अंतर-जिला सड़कें बंद

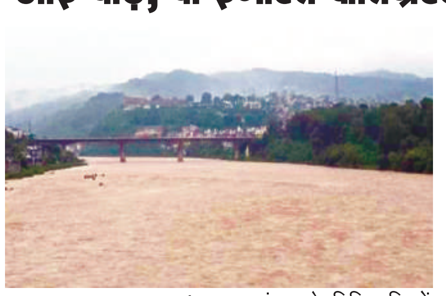

जम्मू, 12 अगस्त (। जम्मू संभाग के विभिन्न जिलों में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई जिससे दो इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और कुछ अंतर-जिला सड़कें बंद हो गईं हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राजौरी, रियासी और पुंछ जिलों के अधिकारियों ने भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम को देखते हुए सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार रात 8:30 बजे से मंगलवार सुबह 6:30 बजे के बीच भारी बारिश दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि रियासी में 280.5 मिमी, कठुआ में 148 मिमी और सांबा तथा जम्मू जिलों में 96-96 मिमी बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि इससे कई जगहों पर अचानक बाढ़ और भूस्खलन हुआ। उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि 11 और 12 अगस्त की रात अचानक आई बाढ़ में पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में एक हाई स्कूल का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अचानक आई बाढ़ हाई स्कूल और एक खेल कक्ष से सटे 200 फुट लंबे शेड को बहा ले गई जिससे सभी रिकॉर्ड और खेल सामग्री नष्ट हो गई। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि राजौरी जिले के जगलानू गाँव में एक गौशाला ढह गई जिससे संपत्ति और पशुधन का नुकसान हुआ। सोमवार रात से हो रही भारी बारिश के कारण राजौरी जिले में कई सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं जिससे कई इलाकों में वाहनों की आवाजाही बाधित हुई है। रियासी में पौनी तहसील के कंदामोड़ में आज सुबह भूस्खलन के कारण सड़क अवरुद्ध हो गई।

डोडा में आकस्मिक गोलीबारी में सैनिक की मौत

जम्मू, 12 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक शिविर के अंदर एक सैन्यकर्मी की सर्विस राइफल गलती से चल जाने से उसकी मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को भद्रवाह के सरना कैंप में सिपाही सुरेश बिस्वाल गार्ड ड्यूटी पर थे जब उनके साथियों ने उनकी चौकी से गोलियों की आवाज सुनी।

उन्होंने बताया कि सिपाही खून से लथपथ पाया गया और उसे अस्पताल ले जाया गया जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया।

भद्रवाह के पुलिस अधीक्षक विनोद शर्मा ने कहा कि प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि ओडिशा निवासी सिपाही की मौत अपनी सर्विस राइफल का चैम्बर खाली करते समय अचानक गोली चलने से हुई। उन्होंने कहा कि उसकी मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए जाँच जारी है।

आतंकवाद-रोधी अभियान 12वें दिन भी जारी

कुलगाम, 12 अगस्त । कुलगाम में अखल के जंगल में आतंकवाद-रोधी अभियान मंगलवार को 12वें दिन भी जारी है। सुरक्षा बलों ने जंगल की प्राकृतिक गुफाओं और घने जंगलों में छिपे आतंकवादियों का सफाया करने के लिए अपनी ताकत दोगुनी कर दी है।

एक अधिकारी ने कहा कि अभियान अभी भी जारी है। सुरक्षा बल गुफा जैसी संरचनाओं में छिपे आतंकवादियों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

कौंसर नाग झील पर श्रद्धालुओं द्वारा पूजा-अर्चना के साथ कोंसर नाग यात्रा संपन्न

जम्मू, 12 अगस्त ।कश्मीरी शैव और हिंदू धर्म में पवित्र मानी जाने वाली 11,500 फीट ऊँची कौंसर नाग झील की वार्षिक चार दिवसीय तीर्थयात्रा जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित आधार शिविर में श्रद्धालुओं के एक समूह के लौटने के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रियासी से गोरवन और कौंसर गली तक का तीर्थयात्रा मार्ग रियासी जिले के अधिकार क्षेत्र में आता है जबकि कौंसर गली से पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला में ओलिगोट्रोफिक झील तक का मार्ग कुलगाम जिले के अंतर्गत आता है। इस यात्रा को 7 अगस्त को रियासी के विधायक कुलदीप राज दुबे और रियासी की उपायुक्त निधि मलिक ने

गहन धार्मिक उत्साह और आध्यात्मिक उत्साह के बीच शिव मंदिर, रियासी से संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि अप्रत्याशित हिमालयी मौसम और चुनौतीपूर्ण भूभाग के बवजूद यात्रा सुरक्षित और सुचारू रूप से पूरी हुई। सुरक्षा बलों, प्रशासनिक टीमों और समर्पित स्वयंसेवकों की संयुक्त प्रतिबद्धता ने यह सुनिश्चित किया कि यात्रियों को न केवल आध्यात्मिक संतुष्टि मिले बल्कि एक आरामदायक और सुरक्षित तीर्थयात्रा भी मिले। उन्होंने बताया कि पहले दिन तीर्थयात्री सड़क मार्ग से 99 किलोमीटर की यात्रा करके सुंगरी कैंप पहुँचे जहाँ उन्होंने रात बिताई और फिर 26 किलोमीटर सड़क मार्ग से सरसोटे कैंप और फिर अगले दिन 11 किलोमीटर पैदल चलकर सारी कैंप पहुँचे प्रवक्ता ने बताया कि तीसरे दिन यात्री सारी कैंप से पवित्र कौन्सर नाग झील तक 17 किलोमीटर की पैदल यात्रा पर निकले और पवित्र स्थल पर प्रार्थना की, फिर पैदल ही सारी कैंप में रात्रि विश्राम के लिए लौट आए।

DIP/J-4613/25
Dtd: 12-8-2025

साभार : अशोक कुमार मुनडेतिया

स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक है सिंगापुर

सुख, समृद्धि, संपन्नता, सफाई और सुगंध का पर्याय बन चुका सिंगापुर विश्व के श्रेष्ठ शहरों में से एक माना जाता है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख से ज्यादा सैलानी यहां घूमने-फिरने आते हैं। सिंगापुर धीरे-धीरे एक व्यावसायिक केन्द्र भी बनता जा रहा है। यहां पर विभिन्न देशों के लोग बस चुके हैं इनमें काफी भारतीय भी हैं। इसलिए यह आपको अपरिचित सा नहीं लगेगा।

अपने देश की तरह यहां न तो इधर-अधर केले का छिलका या पालिथीन का कोई थैला फेंकें और न ही किसी अन्य प्रकार से कोई गंदगी फैलाएं। जो व्यक्ति ऐसा करते हुए पाया जाता है उसे आर्थिक दंड तो दिया ही जाता है, ऐसा करते हुए टीवी पर भी दिखाया जाता है।

सिंगापुर घूमना चाहते हैं तो आइए सबसे पहले आपको लिए चलते हैं जूरोंग चिड़ियाघर। विश्व का शायद ही कोई ऐसा पक्षी होगा जिसे आप इस अति विस्तृत चिड़ियाघर में न देखें। यहां लगभग 7500 पक्षी हैं। इनमें से कई पक्षी ऐसे हैं जिनकी आप 8-10 प्रजातियां देख सकते हैं।

क्रोकोडायल फार्म में आप कई तरह के मगरमच्छ देख सकते हैं। यह फार्म जूरोंग चिड़ियाघर के पास ही स्थित है। नाइट सफारी भी एक चिड़ियाघर ही है। जो 45 हेक्टेयर में फैला हुआ है। जानवरों की प्रकृति के अनुरूप 8 भागों में बंटा यह चिड़ियाघर अपने नाम को सार्थक करता हुआ सिर्फ रात में ही खुला रहता है। इस चिड़ियाघर के अंदर घूमने के लिए ट्राम की सुविधा उपलब्ध रहती है। साथ ही साथ गाइड भी उपलब्ध रहता है जो विश्व के विभिन्न भागों से लाए गए तरह-तरह के इन जानवरों के बारे में जानकारियां देता रहता है।

मिंग विलेज भी देखने लायक जगह है। ज्यों-ज्यों मानव समाज आधुनिकता की तरफबढ़ रहा है, त्यों-त्यों ग्रामीण परिवेश और हस्तशिल्प की ओर उसका रुझान भी बढ़ रहा है। क्रोकोडायल फार्म के पास स्थित इस स्थान पर ऐसा ही ग्रामीण परिवेश है और ऐसे ही हस्तशिल्पी भी यहां हैं। ये लोग न सिर्फ अपने हाथों से चीजें बनाते हैं, बल्कि चीनी-मिट्टी के बर्तन वगैरह पर नक्काशी भी करते हैं।

सैंतोसा आइलैण्ड भी जरूर घूमने जाएं। यह सिंगापुर से कुछ दूरी पर स्थित एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। हालांकि यहां प्रवेश शुल्क देना पड़ता है लेकिन इसके अलावा कोई अन्य सेवा शुल्क नहीं लिया जाता। यहां का समुद्र तट काफी सुंदर और स्वच्छ है।

यहां का प्रसिद्ध अंडर वाटर वर्ल्ड एशिया का पहला और सबसे बड़ा कृत्रिम समुद्र है। यहां पर आपको सैंकड़ों तरह की मछलियां दिखेंगी, जिनमें सी ड्रैगन नामक एक मछली भी है। ये सारी मछलियां विश्व के अलग-अलग भागों से यहां लाई गई हैं। वोल्कैनोलैण्ड और तितलीघर भी देखने लायक जगह हैं।

किसी भी मौसम में जाएं लुभाता है रानीखेत

यदि आप प्रकृति के सभी अद्‌भूत नजारों का एक ही स्थान पर आनंद उठाना चाहते हैं तो गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए रानीखेत सबसे बेहतर विकल्प है। यहां दूर-दूर तक रजत मंडित सदृश हिमाच्छादित गगनचुंबी पर्वत, सुंदर घाटियां, चीड़ और देवदार के ऊंचे-ऊंचे पेड़, घना जंगल, फलों लताओं से ढके संकरे रास्ते, टेढ़ी-मेढ़ी जलधारा, सुंदर वास्तु कला वाले प्राचीन मंदिर, ऊंची उड़ान भर रहे तरह-तरह के पक्षी.....और शहरी कोलाहल तथा प्रदूषण से दूर ग्रामीण परिवेश का अद्भुत सौंदर्य आकर्षण का केन्द्र है।

मनोरम पर्वतीय स्थल रानीखेत समुद्र-तल से 1830 मीटर की ऊंचाई पर लगभग 25 वर्ग किलोमीटर में फैला है। कुमाऊं क्षेत्र में पड़ने वाले इस स्थान से लगभग 400 किलोमीटर लंबी हिमाच्छादित पर्वत-श्रृंखला का ज्यादातर भाग दिखता हैं। इन पर्वतों की चोटियां सुबह-दोपहर-शाम अलग-अलग रंग की मालूम पड़ती हैं।

इस पूरे क्षेत्र की मोहक सुंदरता का अनुमान कभी नीदरलैण्ड के राजदूत रहे वान पैलेन्ट के इस कथन से लगाया जा सकता है।'' जिसने रानीखेत को नहीं देखा, उसने भारत को नहीं देखा।'' कहा जाता है कि सैकड़ों वर्ष पहले कोई रानी अपनी यात्रा पर निकली हुई थीं। इस क्षेत्र से गुजरते समय वह यहां के प्राकृतिक सौंदर्य से मोहित होकर रात्रि-विश्राम के लिए रुकीं। बाद में उन्हें यह स्थान इतना अच्छा लगा कि उन्होंने यहीं पर अपना स्थायी निवास बना लिया।

चूंकि तब इस स्थान पर छोटे-छोटे खेत थे, इसलिए इस स्थान का नाम 'रानीखेत' पड़ गया। अंग्रेजों के शासनकाल में सैनिकों की छावनी के लिए इस क्षेत्र का विकास किया गया। क्योंकि रानीखेत कुमाऊं रेजिमेन्ट का मुख्यालय है, इसलिए यह पूरा क्षेत्र काफी साफ-सुथरा रहता हैं। यहां का बाजार तो अद्भुत है। पहाड़ के उतार (यानी खड़ी चढ़ाई) पर बना हुआ। इसलिए इसे 'खड़ा बाजार' कहा जाता हैं।

घूमने के लिए सही समय

रानीखेत जाने व घूमने के लिए ठंड और बरसात का समय ठीक नहीं रहता। अत: बेहतर होगा कि आप वहां अप्रैल के प्रारंभ से जून के मध्य या सितंबर के मध्य से नवंबर के मध्य तक के समय में ही जाएं।

अगर आप हवाई जहाज से जाना चाहते हैं, तो पंतनगर के हवाई अड्डे पर उतरना पड़ेगा, क्योंकि यहां का भी निकटतम हवाई अड्डा वहीं हैं। वहां से रानीखेत की 119 किलोमीटर की दूरी टैक्सी वगैरह से तय करनी पड़ेगी। अगर आप रेलगाड़ी से यात्रा करना चाहते हैं, तो काठगोदाम स्टेशन तक जा सकते हैं, क्योंकि रानीखेत का निकटतम रेलवे स्टेशन वही हैं। वहां से रानीखेत की 84 किलोमीटर की दूरी परिवहन निगम की बस या टैक्सी से तय की जा सकती हैं।

दर्शनीय स्थल

उपत : रानीखेत में शहर से 5 किलोमीटर दूर (अल्मोड़ा जाने वाले रास्ते में) चीड़ के घने जंगल के बीच (6000 फुट की ऊंचाई पर) उपत नामक स्थान पर एक विश्वप्रसिध्द गोल्फ मैदान है। यहां प्राय: फिल्मों की शूटिंग होती रहती हैं। कोमल हरी घास का यह सुंदर मैदान नौ छेदों वाला हैं। ऐसा मैदान बहुत कम देखने को मिलता है। यहां खिलाड़ियों के रहने के लिए एक सुंदर बंगला बना हुआ है, जहां से दूर तक फैले हिमाच्छादित पवर्त्तों को देखना बहुत ही अच्छा लगता हैं।

हेड़ाखान मंदिर : अल्मोड़ा से 6 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान 'चिलियानौला' के नाम से भी जाना जाता हैं। अपनी प्राकृतिक सुषमा के कारण यह स्थान पिकनिक और ट्रैकिंग के लिए काफी उपयुक्त है। फूलों के सुंदर बाग के कारण यहां की रमणीयता और बढ़ जाती हैं। यहां पर साधु हेड़ाखान का मंदिर भी हैं।

हरबेरियम : प्रसिध्द वनस्पति-शास्त्री राम जी लाल द्वारा स्थापित इस हरबेरियम (वनस्पति संग्रहायल) में तरह-तरह की वनस्पतियों व जड़ी-बूटियों का अद्भुत संग्रह प्रदर्शनार्थ रखा गया हैं। पूरे भारत में यह अपनी तरह का एक अलग हरबेरियम हैं। चौबटिया- रानीखेत से 10 किलोमीटर दूर इस स्थान पर एशिया का सबसे बड़ा फलों का बगीचा हैं। यहां दर्जनों तरह के फलों के पेड़ हैं, जिन्हें देखकर पर्यटक गद्‌द हो उठते हैं। यहां सरकार द्वारा स्थापित विशाल फल संरक्षण केंद्र भी देखने लायक हैं। यह स्थान एक सुंदर पिकनिक स्थल भी हैं। इसके पास ही अगल-बगल तीन जल-स्त्रोत भी हैं, जो इस पूरे स्थान के प्राकृतिक वैभव को और अधिक बढ़ा देते हैं।

शीलतखेत : रानीखेत से 35 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान अब एक अच्छे पर्यटन-स्थल के रूप में विकसित हो रहा हैं। यहां से हिमाच्छादित के सुंदर दृश्यों को देखना बहुत ही अच्छा लगता हैं। ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां से नीचे का नजारा अत्यंत लुभावना दिखता हैं।

कसौली ये वादियां ये फिजाएं

कसौली यानी हिमाचल प्रदेश का ऐसा हिल स्टेशन, जो अपनी खुशनुमा आबोहवा के लिए दुनिया भर में लोकप्रिय है। प्रसिद्ध हिल स्टेशन शिमला से भी अधिक ऊंचाई (3,647 मीटर) पर स्थित कसौली शिमला वाली भीड़ से तो दूर है ही, पल-पल में बदलने वाली यहां की हवा इसे और खास बना देती है। अपनी खूबियों के लिए टाइम मैगजीन में भी एशिया के सर्वश्रेष्ठ हिल स्टेशन का दर्जा पा लेने वाले कसौली है।

यहां देखते-देखते हवा बदलने लगती है और बादलों का समूह पलभर में ही धूप के नीचे छाकर बरस पड़ता है। दूसरे ही पल मौसम साफऔर चारों तरफसे तन-मन को रोमांचित करने वाली खुशनुमा हवा छूने लगती है। चाहे आप यहां के मंकी प्वाइंट पर हों या क्राइस्ट चर्च के बाहर, बस अड्डे पर हों या माल रोड पर, हनुमान मंदिर में हों या साईं बाबा मंदिर में, हर जगह पल भर में मन को तारोताजा कर देने वाली मनमोहक हवा आपको रोमांच से भर देगी। बल्कि यूं कहें कि कसौली पहुंचने से दो-तीन किलोमीटर पहले से आपको कसौली के क्षेत्र में प्रवेश करने का अहसास हो जाएगा। जी हां, ऐसा है हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित हिल स्टेशन कसौली का जादू। यूं तो यहां लोग साल भर आते रहते हैं, लेकिन अप्रैल से जून और सितम्बर से नवम्बर के बीच यहां अधिक पर्यटक आते हैं। इस बीच कसौली के मौसम के अनेक रंग देखने को मिल जाते हैं। कभी थोड़ी धूप, कभी थोड़े बादल और कभी हल्की-हल्की बारिश की बूंदें। यहां के पेड़-पौधों पर इस मौसम का जो रंग चढ़ता है, उसे फूल-पत्तों पर महसूस किया जा सकता है। बर्फ का आनन्द उठाने की चाह रखने वाले पर्यटकों को यहां दिसम्बर से फरवरी के बीच होने वाली ओस जैसी बर्फकी बारिश खूब गुदगुदाती है। लेखक-कलाकार को तो यहां बारिश का मौसम (जुलाई-अगस्त) और भी ऊंची उड़ानें भरने के लिए प्रेरित करता है।

कसौली के नाम के बारे में कई कहानियां हैं। इसके लिए हमें 17वीं शताब्दी में जाना पड़ता है। कहा जाता है कि रेवाड़ी के कुछ राजपूत परिवार हिमालय की तलहटी में बसे कसुल नामक छोटे-से गांव में आ बसे थे। बाद में यही गांव समय के साथ कसौली के रूप में स्थापित हो गया। दूसरी कहानी के अनुसार, जाबली के पास कौसल्या नामक एक पहाड़ी जलधारा है। इस कारण इस जगह का नाम कसौली पड़ा। इस जगह के नाम के चाहे जितने किस्से हों, लेकिन विशेषताओं की चर्चा एक ही है और वह है एक बेहद आकर्षक हिल स्टेशन, जहां बीमारी के बाद लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए जाते हैं और जहां की हवा रचनात्मक लोगों को रचना कर्म के लिए प्रेरित करती रहती है। शायद यही वजह थी कि अंग्रेजों ने इसे हिल स्टेशन के रूप में व्यवस्थित रूप से विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी।

यहां आने वाले पर्यटकों में यहां की कुछ प्रमुख जगहें आकर्षण का केन्द्र बनी रहती हैं। इनमें कसौली की सबसे ऊंची जगह मंकी प्वाइंट, मंकी प्वाइंट पर बना हनुमान मंदिर, कसौली के कोलोनियल आर्किटेक्ट की मिसाल क्राइस्ट बैप्टिस्ट चर्च, बाबा बालक नाथ मंदिर, शिरडी साईं बाबा मंदिर, एयरफोर्स गार्ड स्टेशन, एशिया का सबसे ऊंचा टीवी टावर और नजदीक ही सनावर स्थित लॉरेंस स्कूल, पाइनग्रोव स्कूल, सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल जैसे प्राचीन स्कूल हैं, जो 100 साल से भी अधिक पुराने हैं। मंकी प्वाइंट यहां की सर्वाधिक लोकप्रिय जगह है। कहते हैं कि भगवान हनुमान ने लक्ष्मण की जान बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाने जाते वक्त छलांग के पूर्व कसौली के इस प्वाइंट पर कदम रखे थे। कसौली के सबसे ऊंचे इस प्वाइंट पर हनुमान मंदिर भी है, जहां श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रहती है। मनोरम दृश्यों के दीवानों को यहां से कसौली की वादियों का नजारा देख कर रोमांचित होते खूब देखा जा सकता है।

यहां अंग्रेजों द्वारा 1880 में स्थापित कसौली क्लब भी अपने आप में एक देखने की जगह है। देश के नामचीन क्लबों में शामिल इस क्लब की सदस्यता के लिए 20 सालों की वेटिंग चलती है।

कैसे पहुंचें

वायु मार्ग : कसौली का नजदीकी हवाई अड्डा चंडीगढ़ में है, जो कसौली से 65 किलोमीटर है। दिल्ली से चंडीगढ़ के लिए दिन भर में अनेक उड़ानें हैं। इंडियन एयरलाइन्स, किंगफि शर, जेट एयर, जेट लाइट की उड़ानें प्रतिदिन हैं।

रेल मार्ग : दिल्ली से कालका के लिए दिनभर में पांच गाड़ियां हैं। हिमालयन क्वीन, कालका शताब्दी, पश्चिम एक्सप्रेस और हावड़ा-दिल्ली-कालका मेल से आप कालका तक पहुंच सकते हैं। उसके आगे कालका से शिमला लाइन पर आप धर्मपुर स्टेशन तक ट्रेन से जा सकते हैं। चाहे कालका शिमला पैसेंजर लें या कालका शिमला एक्सप्रेस या अन्य गाड़ियां, पहाड़ियों की खूबसूरती का नजारा करते हुए आप लगभग डेढ़ घंटे में (लगभग 33 किलोमीटर) धमज़्पुर पहुंच जाएंगे। वहां से हिमाचल रोडवेज की बस या टैक्सी लेकर कसौली तक की 12 किलोमीटर की दूरी तय कर सकते हैं।

सड़क मार्ग: दिल्ली से कसौली की दूरी 264 किलोमीटर है। चंडीगढ़ और कालका से यह क्रमश: 67 व 35 किलोमीटर है। दिल्ली से कश्मीरी गेट बस अड्डे से हिमाचल रोडवेज की बस लेकर धर्मपुर तक पहुंच सकते हैं। वहां से लोकल बस और टैक्सियां मिल जाएंगी। चंडीगढ़ से भी नियमित बसें हैं।

कहां ठहरें

कसौली की लोकप्रियता को देखते हुए यहां ठहरने की बेहतर व्यवस्था का अंदाजा लगा सकते हैं। यहां दर्जनों अच्छे होटल, रिजॉर्ट, गेस्ट हाउस हैं। हिमाचल टूरिज्म का भी एक हेरिटेज होटल है, जिसका नाम है द रोज कॉमन। यहां डीबीआर (डबल बेडरूम) डीलक्स का चार्ज 2200 रुपए है, जबकि डीबीआर कोजी डीलक्स का 2500 व कसौली सूइट्स का चार्ज 3500 रुपए है। यहां चार बिस्तरों वाले भी दो कमरे हैं, जिनका किराया प्रति कमरा 2000 रुपए है। सीजन में बुकिंग कम-से-कम एक महीना पहले करानी चाहिए। इसके अलावा होटल शिवालिक, होटल आंचल, होटल ब्रॉडवे, सूर्य रॉक रोज रिजॉर्ट, बैकुंठ रिजॉर्ट, द ब्लिस रिजॉर्ट, बर्डस व्यू रिजॉर्ट, हेमकुंठ रिजॉर्ट, ब्लॉसम रिजॉर्ट, कसौली कैसल रिजॉर्ट, कसौली रीजेंसी आदि प्रमुख हैं। यहां अनेक होम स्टे भी हैं, जहां सस्ते कमरे मिल जाते हैं। कसौली और उसके आसपास ही एक दर्जन से अधिक होम स्टे हैं, जो हिमाचल टूरिज्म द्वारा पंजीकृत हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

फिक्की एफएलओ जेकेएल ने स्टेम वर्कशॉप सीरीज़ की शुरुआत की, बेटियों को विज्ञान-तकनीक में करियर बनाने के लिए किया प्रेरित

जम्मू, 12 अगस्त (हि.स.)। फिक्की एफएलओ जम्मू, कश्मीर एवं लद्दाख (जेकेएल) ने तीन दिवसीय स्टेम (विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित) वर्कशॉप सीरीज़ का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य युवा छात्राओं को इन क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस पहल का नेतृत्व पूर्व चेयरपर्सन एवं नेशनल इनिशिएटिव हेड (पार्टनरशिप एंड कोलैबोरेशन) वरुणा आनंद ने किया। उनके साथ सचिव नंदिता बजाज ने वर्तमान चेयरपर्सन आरती चौधरी का प्रतिनिधित्व किया। पहला सत्र जम्मू के केसी पब्लिक स्कूल और जीडी गोयनका स्कूल में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ।वरुणा आनंद ने बताया कि आने वाले दिनों में टीम मॉडल अकादमी, हेरिटेज स्कूल, जेके पब्लिक स्कूल और जोधामल पब्लिक स्कूल का दौरा करेगी, जहां सैकड़ों विद्यार्थियों को इंटरैक्टिव स्टेम गतिविधियों में शामिल किया जाएगा। आरती चौधरी ने अपने संदेश में कहा कि वर्कशॉप्स का संचालन दिल्ली से आए विशेषज्ञ काउंसलर्स और केवीके जम्मू की डॉ. पूनम अब्रोल कर रही हैं, जो स्टेम विषयों को अधिक रोचक और सुलभ बनाने के लिए नवीन एवं प्रायोगिक शिक्षण विधियां अपना रही हैं। उन्होंने बताया कि यह पहल विशेष रूप से छात्राओं को रूढ़ियों को तोड़ने और विज्ञान-तकनीक के क्षेत्रों में उच्च शिक्षा एवं करियर अपनाने के लिए प्रेरित करने पर केंद्रित है। उन्होंने आगे कहा कि यह पहल राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है और माननीय प्रधानमंत्री के उस विज़न से मेल खाती है, जिसमें स्टेम क्षेत्रों में बेटियों की भागीदारी बढ़ाने की बात कही गई है।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर ग्रामीणों को एचआईवी/एड्स के प्रति किया जागरूक

जम्मू, 12 अगस्त (हि.स.)। गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कैनाल रोड, जम्मू के रेड रिबन क्लब ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस 2025 के उपलक्ष्य में अपनाए गए गांव लोअर बन सुल्तान में सामुदायिक बैठक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को एचआईवी/एड्स, उसके बचाव, आवश्यक सावधानियों और उपलब्ध उपचार के बारे में जागरूक करना था। कॉलेज के विद्यार्थियों ने जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए संवादात्मक सत्रों, चर्चाओं और जानकारीपूर्ण सामग्री के माध्यम से ग्रामीणों को शिक्षित किया। उनकी उत्साही भागीदारी ने युवाओं की नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रदर्शित किया।

कॉलेज की प्राचार्या डॉ. ज्योति परिहार ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें ऐसे सार्थक जनसेवा कार्यक्रमों में निरंतर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं की भागीदारी को एचआईवी/एड्स जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण बताया। यह कार्यक्रम रेड रिबन क्लब की संयोजक प्रो. रूपा कुमारी और सदस्य डॉ. शुभ्रा जम्वाल के मार्गदर्शन और सहयोग से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

6वीं जिला सांबा पेंचक सिलाट चैम्पियनशिप में जीते कई स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक

जम्मू, 12 अगस्त (हि.स.)। जिला सांबा पेंचक सिलाट एसोसिएशन (पेंचक सिलाट एसोसिएशन ऑफ इंडिया से संबद्ध) द्वारा आयोजित 6वीं जिला सांबा पेंचक सिलाट चैम्पियनशिप 2025 में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए 400 से अधिक खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। इस रोमांचक प्रतियोगिता में बड्स एंड ब्लॉसम्स स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। स्वर्ण पदक विजेताओं में रिया अंग्राल, मोहम्मद शाहिद, आहिल हुसैन, अंश सिंह, दीवंशी कटल, दिव्यांशा शर्मा और इशवत शामिल हैं। रजत पदक मोमिने और मोहम्मद आतिफ ने जीते, जबकि कांस्य पदक अयान खान, आहिल चौधरी, मोहम्मद साद, अहैल चौधरी और साहिबा को प्राप्त हुए। इन उपलब्धियों के पीछे खेल शिक्षकों सचिन जम्वाल और साइबा चंदेल का मार्गदर्शन तथा प्राचार्या रेनू भसीन और उप-प्राचार्या सोनिका गुप्ता का निरंतर प्रोत्साहन रहा। विद्यालय प्रबंधन ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इसे मेहनत, अनुशासन और खेल भावना की मिसाल बताया।

जम्मू में चन्दन षष्ठी व्रत 14 अगस्त, गुरुवार को मनाया जायेगा

जम्मू, 12 अगस्त (हि.स.)। चन्दन षष्ठी व्रत प्रतिवर्ष भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को किया जाता है। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट (पंजीकृत) के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री, ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस वर्ष चन्दन षष्ठी व्रत 14 अगस्त 2025, गुरुवार को है। इसे हल षष्ठी, ललही छठ, बलदेव छठ, रंधन छठ, हलछठ, हरछठ व्रत, चन्दन छठ, तिनछठी या तिन्नी छठ के नाम से भी जाना जाता है। गुरुवार 14 अगस्त को चंद्रोदय रात्रि 10 बजकर 15 मिनट पर होगा।

जम्मू-कश्मीर में इस व्रत का विशेष महत्व है। इसे विवाहित एवं अविवाहित महिलाएं कर सकती हैं। इस दिन महिलाएं पूरे दिन व्रत रखकर विशेष रूप से सूर्य एवं चंद्रमा की पूजा करती हैं, कथा का पाठ या श्रवण करती हैं और रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देकर भोजन करती हैं।

इस वर्ष चन्दन षष्ठी व्रत का उद्यापन (मोख) भी किया जा सकता है। मान्यता है कि यदि किसी व्रती ने चन्दन षष्ठी व्रत का उद्यापन कर लिया हो तभी वह अन्य किसी भी व्रत का उद्यापन कर सकती है। सबसे पहले इसी व्रत का उद्यापन करना आवश्यक माना गया है। मासिक धर्म की अवधि में स्त्रियों द्वारा स्पर्श-अस्पर्श, भक्ष्य-अभक्ष्य आदि से जुड़े दोषों के परिहार के लिए भी इस व्रत का उद्यापन किया जाता है।

पंजाब सरकार द्वारा वापस ली गई लैंड पूलिंग पॉलिसी पंजाब बसपा की बड़ी जीत : दर्शन राणा

जम्मू, 12 अगस्त (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी की जोन जम्मू की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को सतवारी स्थित पार्टी कार्यालय में

आयोजित हुई जिसमें जम्मू कश्मीर के प्रमुख मुद्दों के साथ-साथ पंजाब सरकार की तरफ से वापस ली गई लैंड पूलिंग पॉलिसी को बसपा की जीत करार दिया गया। बहुजन समाज पार्टी के जम्मू कश्मीर अध्यक्ष दर्शन राणा की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल रहे। बैठक को संबोधित करते हुए बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन राणा ने कहा कि पंजाब सरकार की तरफ से हाल ही में जो लैंड पूलिंग पालिसी लाई गई थी उसका पंजाब बहुजन समाज पार्टी ने खुलकर विरोध किया और बसपा खुलकर किसान वर्ग के समर्थन में उतरी और खासकर बहुजन समाज पार्टी के पंजाब प्रदेश अध्यक्ष अवतार सिंह करीमपुरी बधाई के पात्र हैं जिनकी अध्यक्षता में पार्टी ने सरकार की इस लैंड पूलिंग पॉलिसी का जमकर विरोध किया और किसानों एवं मजदूरों के समर्थन में लगातार विरोध प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस पर पद्मश्री डॉ. एसआर रंगनाथन को पुष्पांजलि अर्पित की

कठुआ 12 अगस्त (हि.स.)। राजकीय डिग्री कॉलेज महानपुर ने भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक कहे जाने वाले पद्मश्री डॉ. एसआर रंगनाथन की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस मनाया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की पुस्तकालयाध्यक्ष निशा कुमारी ने प्राचार्य डॉ. संगीता सूदन के कुशल मार्गदर्शन में किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और डॉ. रंगनाथन को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इस समारोह का उद्देश्य उनकी विरासत का सम्मान करना और पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की सेवा के लिए ईमानदारी, समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम करने के उनके वादे की पुष्टि करना था।

जीजीएम साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया गया

जम्मू, 12 अगस्त (हि.स.)। गवर्नमेंट गांधी मेमोरियल साइंस कॉलेज, जम्मू में भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन की जयंती पर राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया गया। डॉ. रंगनाथन एक प्रख्यात पुस्तकालयाध्यक्ष और गणितज्ञ थे, जिन्होंने पुस्तकालय विज्ञान के पांच सिद्धांत दिए और कोलोन वर्गीकरण प्रणाली जैसी महत्वपूर्ण वर्गीकरण प्रणाली विकसित की। उन्होंने भारत में प्रलेखन और सूचना विज्ञान की शुरुआत की तथा इस क्षेत्र में अपने मौलिक विचारों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध हुए। कार्यक्रम के अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता ने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान के भंडार हैं, जहां पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ ग्रंथ, जर्नल, ई-बुक्स, ऑनलाइन डेटाबेस और डिजिटल जर्नल का व्यापक संग्रह उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि आज के समय में, जब विद्यार्थी मोबाइल में अधिक व्यस्त रहते हैं, ऐसे में जरूरी है कि वे नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग कर अपने ज्ञान का विस्तार करें और दृष्टिकोण को व्यापक बनाएं।

विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा रैली

आरएस पुरा, 12 अगस्त (हि.स.)। सरकारी मिडिल स्कूल चंदू चक के विद्यार्थियों ने मंगलवार को गांव में एक विशाल तिरंगा रैली निकाली जिसमें विद्यार्थियों के साथ-साथ स्कूल स्टाफ के सदस्य एवं आम नागरिक भी शामिल हुए। स्कूल परिसर से शुरू हुई तिरंगा रैली गांव के प्रमुख हिस्सों से होते हुए गुजरी। तिरंगा रैली को लेकर विद्यार्थियों में भी काफी उत्साह देखने को मिला और हर तरफ लोगों में देशभक्ति का जज्बा साफ दिखा। इस मौके पर स्कूल के अध्यापक राजेश कुमार बिल्ला ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस को लेकर स्कूल प्रबंधन की तरफ से तिरंगा रैली का आयोजन किया गया है जिसमें विद्यार्थियों के साथ-साथ स्कूल स्टाफ के सदस्यों एवं आम नागरिकों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा स्वतंत्रता दिवस पर भी विशेष कार्यक्रम स्कूल में आयोजित किए जाएंगे जिसमें लोगों को शामिल किया जाएगा। इस मौके पर स्कूल स्टाफ के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

जम्मू के डोगरा चौक में अक्षय कुमार की एक झलक पाने के लिए प्रशंसकों की उमड़ी भारी भीड़

जम्मू, 12 अगस्त (हि.स.)। कल्याण ज्वैलर्स के नए शोरूम के उद्घाटन के अवसर पर जम्मू के डोगरा चौक में अक्षय कुमार के उत्साही प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी जो अभिनेता की एक झलक पाने के लिए घंटों इंतज़ार करते रहे।

शहर और जम्मू-कश्मीर के बाहर से आए पुरुष, महिलाएं और बच्चे सहित प्रशंसक अभिनेता के डोगरा चौक स्थित कल्याण ज्वैलर्स के शोरूम के उद्घाटन के लिए उनके आगमन की प्रतीक्षा में जमा हुए थे।

अक्षय कुमार जिनकी आगामी फिल्म जॉली एलएलबी 3, 19 सितंबर को रिलीज़ होने वाली है, ने जम्मू के लोगों को उनके गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद दिया।

अभिनेता ने मंच पर पहुँचते ही जय माता दी कहा और घोषणा की कि वह समय पर पहुँच गए हैं और किसी को कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कल्याण ज्वैलर्स के भव्य फ्लैगशिप शोरूम के उद्घाटन के लिए आज यहाँ आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

अभिनेता ने प्रशंसकों के आई लव यू के नारों का जवाब दिया और खंड मीठे लोग डोगरे भी दोहराया।

एक प्रशंसक ने अभिनेता को बताया कि वह पुणे से इतनी दूर आई है क्योंकि उसे पता चला है कि अभिनेता उससे मिलने उसके जन्मस्थान आ रहे हैं क्योंकि वह पहले भी ऐसी ही असफल कोशिशें कर चुकी है। अक्षय कुमार ने कहा कि उन्हें पुणे में उनसे न मिल पाने का दुख है।

एक प्रशंसक द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना को दिए गए उनके संदेश के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि हमारा देश क्या कर रहा है।

शिक्षा की भूमिका से शांति स्थापना विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

जम्मू, 12 अगस्त (हि.स.)। जम्मू स्थित गवर्नमेंट गांधी मेमोरियल साइंस कॉलेज ने 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अंतर्गत अग्रणी कॉलेज के रूप में शिक्षा की भूमिका से शांति स्थापना विषय पर संभाग स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में जम्मू संभाग के विभिन्न जिलों से आए दस प्रतिभागियों ने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति, समाज में शांति, सद्भाव और आपसी समझ को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता एवं विकसित भारत समिति की संयोजक डॉ. रेविका अरोड़ा के मार्गदर्शन में किया गया। स्वागत भाषण में प्राचार्य ने प्रतिभागियों की गहन सोच की सराहना करते हुए शिक्षा को समावेशी और शांतिपूर्ण समाज निर्माण की नींव बताया। निर्णायक मंडल में प्रो. रूथ के. मसेही (एसोसिएट प्रोफेसर, गवर्नमेंट एम.ए.एम. कॉलेज), डॉ. ज्योति दत्त (असिस्टेंट प्रोफेसर, जीसीडब्ल्यू गांधी नगर) और डॉ. बिंदु चिब (प्रमुख, हिंदी विभाग, जीसीडब्ल्यू गांधी नगर) शामिल थे।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोहम्मद इरशाद ने प्राप्त किया, जबकि दूसरा स्थान असीमा भुखारी और तीसरा स्थान सुफिया लतीफ़ ने हासिल किया।

नेकॉ ने जम्मू प्रांत के यूथ नेकां के जिला अध्यक्षों को किया मनोनीत

जम्मू, 12 अगस्त (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने यूथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू प्रांत के जिला अध्यक्षों को मनोनीत किया है। यह नियुक्ति यूथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू प्रांतीय अध्यक्ष सरदार तेजिंदर पाल सिंह (अमन) की अनुशंसा पर की गई है। जिला अध्यक्षों को मनोनीत करते हुए जम्मू प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने आशा व्यक्त की कि यूथ नेशनल कॉन्फ्रेंस की टीम अपने-अपने जिला अध्यक्षों (मूल निकाय) के साथ घनिष्ठ समन्वय सुनिश्चित करेगी और अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी को जमीनी स्तर पर मज़बूत करने के लिए एकजुट होकर काम करेगी। इस अवसर पर सरदार तेजिंदर पाल सिंह (अमन) ने प्रांतीय अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि मनोनीत टीम अपने-अपने जिलों में युवाओं तक पहुँचने के लिए जनसंपर्क कार्यक्रम शुरू करेगी

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI (M)
G.W.D. DIVISION JAMMU
SHORT TERM NOTICE INVITING e-TENDER
E -NIT NO GWD/48 OF 2025-26 DATED 11.08.2025

For and on behalf of the Lieutenant Governor UT of J&K, the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu invites tenders by e-tendering mode from reputed and registered firms for below mentioned works:-

Name of the Work	Name of the Division	Cost of Tender Document/Tender Fee(In Rs)	Qty.	Estimated cost (value of work) (in Rs.)	Earnest Money (In Rs)	Validity of Rates
Re-development and Repair of (21 Nos) Non-Functional Mark-II hand pumps in Hiranagar Constituency of District Kathua under MLA CDS	Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu	1000.00 (Non-Refundable) Deposited in Govt. treasury through e-challan under the receipt head 0215 in favour of the Executive Engineer, Jal Shakti Mech. GWD Div. Jammu payable at Jammu mentioning name of work	21 Nos	Rs. 1050000.00	@2% of the estimated value in shape of Fresh CDR/FDR pledged to Executive Engineer PHE (M) GWD Division	31st March 2026

1. Bid documents can be seen at and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 11.08.2025 to 20.08.2025
2. The pre bid meeting if desired, shall be held in the office of the Executive Engineer Jal Shakti (M) G.W.D. Division Jammu on 12.08.2025 at 1300 hrs.
3. The Bids shall be uploaded on the website http://jktenders.gov.in from 13.08.2025 (1400 hrs) to 20.08.2025 (1800 hrs.)
4. The complete bidding process shall be online and scanned copies of the following documents will have to be uploaded before due date:-
(i) Scanned copy of treasury e-Challan/receipt for Rs. 1000.00 against the cost of tender document under the receipt Head 0215 in favour of Executive Engineer, Jal Shakti (M) Ground Water Drilling Division Jammu indicating name of work to be executed. It may be noted that the receipt of the e-challan should be of the date after the issuance of publication of the e-tender. (ii) Scanned copy of EMD in the shape of CDR/FDR @2% of the estimated value pledged in favour of Executive Engineer, PHE (M) Ground Water Drilling Division Jammu. It may be noted that the EMD should be of the date after the issuance of publication of the e-tender (iii) Scanned Copies of tender documents, terms and conditions duly signed and stamped (each page) by bidder. (iv) Scanned copy of GST Registration from competent authority (v) Scanned copy of PAN Card. (vi) Scanned copy of Valid Registration of Water Well Drillers issued by Chief Engineer Jal Shakti (PHE) Department Jammu for the year 2025-26. Moreover, the firm shall have to upload a valid registration Water Well Drillers issued by Chief Engineer Jal Shakti (PHE) Department Jammu for the year 2024-25. In case, the firm (L1) fails to produce the registration certificate at the time of allotment, the tender will be cancelled.
5. The Technical Bids of the tender document received shall be opened online in the office of Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu on 22.08.2025 at 1400 hrs. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids shall be opened on the next working day during the office hours.
6. The Cover - II i.e. Financial Bids of the firms who qualify in Cover - I shall also be opened online in the office of the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu during office hours or some other working day convenient to tender opening authority.
7. Other details can be seen inside the detailed tender document.
8. Account Head: MLA (CDS)
9. Status of funds: (Approved)
10 AAA No. 65-Dev of 2025 Dated 29.07.2025
11. Accord of T.S. No: 208 of 08/2025 Dated 08.08.2025
No GWD/3034-36 Dated 11.08.2025

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti (M) GWD Division
Jammu

DIP/J-4581/25
Dtd: 12-8-2025

शिक्षा महाविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया गया

जम्मू, 12 अगस्त (हि.स.)। सरकारी शिक्षा महाविद्यालय, कैनाल रोड, जम्मू के पुस्तकालय विभाग ने भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस.आर. रंगनाथन की 133वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया। की इस अवसर पर वर्तमान युग में पुस्तकालयों का महत्व विषय पर उद्धरण लेखन गतिविधि आयोजित की गई, जिसमें बी.एड., एम.एड. और आईटीईपी पाठ्यक्रमों के अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में बी.एड. की तानिया मेहरा, रश्मि शर्मा, तनिष्क सुम्ब्रिया, तनिका चिब, मानसी शर्मा, ईशा भगत, प्रियंका चिब, पिहू हरजिंदर कौर, एम.एड. की रीतू सिंह और रज़िया सुल्ताना तथा आईटीईपी की प्रिंसी शर्मा शामिल रहीं। विद्यार्थियों ने प्रेरक और सारगर्भित उद्धरण लिखकर शिक्षा और समाज में पुस्तकालयों की अहम भूमिका को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। डॉ. रंगनाथन के प्रति सम्मान स्वरूप उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान को नमन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पुस्तकालयाध्यक्ष उषा कुमारी और उनकी टीम ने कॉलेज की प्राचार्या डॉ. ज्योति परिहार के मार्गदर्शन में किया। इस अवसर पर उन्होंने डिजिटल युग में भी पुस्तकालयों की ज्ञान, नवाचार और आजीवन शिक्षा के केंद्र के रूप में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रो. सुनंदा रानी, डॉ. शालिनी शर्मा, प्रो. किरण थापा और प्रो. रमणदीप ऋालिया, पुस्तकालयाध्यक्ष (डायट जम्मू) सहित अनेक गणमान्य शिक्षक उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। आयोजन ने न केवल डॉ. रंगनाथन के दृष्टिकोण को श्रद्धांजलि दी बल्कि विद्यार्थियों को पुस्तकालय संसाधनों का पूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित भी किया।

संपादकीय

कथनी से ज़्यादा करनी चाहिए

यह आश्चर्यजनक है कि आज खाद्य श्रृंखला कीटनाशकों, औद्योगिक प्रदूषण और अनैतिक प्रथाओं के कारण तेज़ी से प्रभावित हो रही है। एक समय था जब लोग दूध विक्रेता द्वारा दूध में पानी मिलाने पर खूब हंगामा करते थे, लेकिन आज डेयरी उत्पादों में मिलावट के खतरनाक स्तर के बावजूद, लोग बेबस हो गए हैं क्योंकि शुद्ध उत्पाद मिलना लगभग नामुमकिन है क्योंकि मिलावट हर जगह व्याप्त है।

हाल ही में कश्मीर और जम्मू संभागों में सैकड़ों किलोग्राम सड़े हुए मांसाहारी उत्पादों की बरामदगी इस भयावह स्थिति को दर्शाती है और जीवन को बर्बाद करने वाली ऐसी कुप्रथाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता है क्योंकि आजकल थालियों में जो परोसा जा रहा है वह धीमा जहर है। फलों और सब्जियों पर रासायनिक परिरक्षकों और कृत्रिम पॉलिशिंग एजेंटों के बेतहाशा इस्तेमाल ने भोजन को स्वास्थ्य के लिए एक संभावित खतरा बना दिया है।

हर गुजरते दिन के साथ कम होती उम्मीदों के बीच, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा अस्वास्थ्यकर भोजन बेचने या भंडारण करने वालों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई के आह्वान ने एक बार फिर यह आशा जगा दी है कि एक दिन जम्मू-कश्मीर असुरक्षित भोजन से मुक्त हो जाएगा और लोगों को अपनी थाली में केवल पौष्टिक चीजें ही मिलेंगी।

यह ज़रूरी है कि खाद्य संदूषण और जन स्वास्थ्य से जुड़े अन्य मुद्दों के समाधान के लिए मुख्यमंत्री द्वारा कही गई बातों को बहुत गंभीरता से लिया जाए और संबंधित हितधारकों को जम्मू-कश्मीर में ऐसा माहौल बनाने के लिए उनका पालन करना चाहिए जहाँ असुरक्षित भोजन बेचना, भंडारण करना या ले जाना असंभव हो जाए। सख्त प्रवर्तन, लगातार निरीक्षण और समाज को शिक्षित करके, यह लक्ष्य कुछ ही दिनों में हासिल किया जा सकता है।

यह निश्चित है कि मुख्यमंत्री द्वारा कही गई बातों को लागू करके सरकार लोगों का विश्वास जीत सकती है क्योंकि आज हर कोई किसी न किसी रूप में खाद्य श्रृंखला के विषाक्त होने से परेशान है।

बेईमान खाद्य विक्रेताओं पर नकेल कसने की सख्त ज़रूरत है क्योंकि किसी को भी असुरक्षित भोजन परोसने या बेचने की अनुमति देने का मतलब है धीरे-धीरे लोगों की जान लेना, जो एक अपराध है। इस मोर्चे पर मज़बूत नेतृत्व न केवल सराहनीय है बल्कि इसकी तत्काल आवश्यकता भी है। इसमें कोई शक नहीं कि बेईमान तत्वों ने लोगों के स्वास्थ्य और जीवन के साथ खिलवाड़ किया है और इसे रोकना होगा। जो लोग जानबूझकर जन स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं, उन्हें कानून का सामना करना होगा।

36 करोड़ से ज्यादा किसानों को मिला प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ

अब तक करीब 36 करोड़ से ज्यादा किसानों को इस योजना का लाभ मिला है। 18 फरवरी 2025 को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के नौ साल पूरे हो गए। योजना को तो बहुत समय हो चुका लेकिन इसके लिए किसान बहुत धीरे जागरूक हुआ लेकिन अब स्थिति बहुत हद तक नियंत्रण में हैं। देश में किसानों को लेकर हमेशा बड़े स्तर पर राजनीति हो रही है। विपक्ष हमेशा उनकी असंतुष्टि को लेकर सभी पहलुओं को उजागर करता है। दूसरी ओर सत्ता में बैठी सरकार किसानों के हित की बात करती है लेकिन इन दोनों के बीच हम एक चीज भूल जाते हैं कि सरकार कोई भी हो वह अन्नदाता के साथ अन्याय नहीं करना चाहती

योगेश कुमार सोनी

बीते कई वर्षों से देश के किसानों को भारी वर्षा होने से नुकसान होता रहा है। इससे वह आर्थिक संकट का सामना करते रहे हैं। वैसे तो भाजपा की सरकार वर्ष 2014 में बनी थी और सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरुआत 18 फरवरी, 2016 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई थी लेकिन अधिकतर किसान इसके प्रति जागरूक नहीं थे इसका फायदा नही ले पा रहे थे और इसके अलावा जिन्होनें यह योजना ले भी रखी थी तो वह किस तरह इसका फायदा लें वह इसके प्रति जागरूक नही थे। इस वर्ष 29 जून से किसान पीएम फसल बीमा योजना के लिए अभियान चलाया गया। इसका लाखों किसानों का सीधे तौर पर फायदा भी मिला।

देश के किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार कई तरह की योजनाएं चला रही है लेकिन इस वर्ष किसान पीएम फसल बीमा योजना पर अधिक जोर दिया गया। इस योजना के जरिए हाल ही में हुई भारी वर्षा के दौरान फसल बर्बाद होने पर उन्हें आर्थिक मदद मिली। इसके लिए जिन किसानों ने पीएम फसल बीमा योजना ली हुई थी उनको सीधा लाभ मिला। जिसका भी नुकसान हुआ उसे केंद्र सरकार की ओर से भरपाई की मिली। अधिकतर किसान तो सिर्फ यह समझते हैं कि इस बीमा के तहत केवल बारिश से बर्बाद होने वाली फसल के लिए मुआवजा मिलता है लेकिन बता दें कि पीएम फसल बीमा योजना के तहत बे-मौसम बारिश,फसलों को सूखा, आंधी, तूफान, बाढ़ आदि जैसे जोखिम से सुरक्षा मिलती है। इस योजना का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान की स्थिति में किसानों को किफायती दर पर इंश्योरेंस कवर देना है।

अब तक करीब 36 करोड़ से ज्यादा किसानों को इस योजना का लाभ मिला है। 18 फरवरी 2025 को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के नौ साल पूरे हो गए। योजना को तो बहुत समय हो चुका लेकिन इसके लिए किसान बहुत धीरे जागरूक हुआ लेकिन अब स्थिति बहुत हद तक नियंत्रण में हैं। देश में किसानों को लेकर हमेशा बड़े स्तर पर राजनीति हो रही है। विपक्ष हमेशा उनकी असंतुष्टि को लेकर सभी पहलुओं को उजागर करता है। दूसरी ओर सत्ता में बैठी सरकार किसानों के हित की बात करती है लेकिन इन दोनों के बीच हम एक चीज भूल जाते हैं कि सरकार कोई भी हो वह अन्नदाता के साथ अन्याय नहीं करना चाहती।

किसानों से जुड़े मुद्दे पर कुछ लोग गलत तरह की राजनीति करते हैं जिससे समाज में एक गलत संदेश जाता है। लेकिन हमारा उद्देश्य यह होना चाहिए कि हम किसी भी स्थिति में किसानों पर राजनीति न करते हुए उन्हें योजनाओं के प्रति जागरूक किया करें। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि 1995 से 2014 के बीच 296438 किसानों ने आत्महत्या की थी व 2014 से 2022 के बीच नौ वर्षों में यह संख्या 100474 थी। इन आंकड़ों से यह तो पता चलता है कि इजाफा तो हुआ है लेकिन समस्या का अभी पूरी तरह निदान नहीं हुआ है लेकिन धीरे-धीरे जागरुकता से अन्नदाता को संपन्नता मिलने की शुरुआत हो चुकी है लेकिन इसकी रफ्तार को तेजी से बढ़ाना होगा।

भारत एक कृषि प्रधान देश है। इसका मतलब है कि भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का एक महत्वपूर्ण स्थान है और अधिकांश आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर करती है। भारत की लगभग तीन तिहाई से अधिक आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि और संबंधित गतिविधियों पर निर्भर है। मतलब हम देश के उस व्यवसाय के प्रधान है जो लगभग पूरे देश के नागरिकों से जुड़ा है। वैसे तो आज भी हमारे पास कृषि करने के लिए बहुत भूमि है लेकिन बढ़ती आबादी से अब कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है। यदि महानगरों की बात करें तो बिल्डरों ने लगभग सारी जमीनों पर बड़ी-बड़ी इमारतें बना दी।

उदाहरण के तौर पर दिल्ली-एनसीआर की बात करें तो दिल्ली से सटी सभी सीमाएं जैसे गाजियाबाद का राजनगर,हरियाणा का गुरुग्राम,नरेला व लोनी,यहां बीते दो दशकों में खेती की जमीनों पर इतनी इमारतें बन चुकी हैं कि यहां सारी खेती व खाली जमीन खत्म हो चुकी। स्थिति यह है कि दिल्ली का मौसम भी इस वजह से प्रभावित होने लगा। किसानों की फसलें कई कारणों से बर्बाद हो जाती हैं जिनमें प्राकृतिक आपदाएं, कीटों और बीमारियों का प्रकोप, खराब बीज, और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं। बेमौसम बारिश, सूखा, ओलावृष्टि, और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं फसलों को भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं। उदाहरण के लिए, बेमौसम बारिश से गेहूं, चना और अन्य फसलें भीग सकती हैं जिससे वह खराब हो सकती हैं। फसलों पर कीटों और बीमारियों का हमला होने से भी फसलें बर्बाद हो सकती हैं। जैसे कि कीटों के कारण बीज अच्छी गुणवत्ता के नहीं होते या फसलें बर्बाद हो जाती हैं। इससे बचने के लिए खेतों में जलजमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी प्रणाली का उपयोग करना चाहिए। फसलों को कीटों और बीमारियों से बचाने के लिए उचित उपाय करने चाहिए, जैसे कीटनाशकों का सही उपयोग।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए किसानों को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कृषि प्रणाली का प्रयोग करना चाहिए। जैसे कि पानी का संरक्षण करना और सूखे प्रतिरोधी फसलों का उपयोग करना चाहिए। बहरहाल, किसानों को जागरूक करने व उनकी स्थिति को मजबूत करने के लिए हमारे सबका उद्देश्य एक ही होना चाहिए। जिस तरह की कुछ समय से उनके बीमा व अन्य सुविधाओं को लेकर सरकार ने अभियान चलाया और उससे किसानों को फायदा मिला। सरकार का यह अच्छा कदम है चूंकि योजनाएं तो बहुत हैं लेकिन किसानों को इसका लाभ नहीं मिल पाता है। लेकिन यदि सभी लोग प्रयास करेंगे तो किसानों व अन्य योजनाओं के जरूरतमंदों को निश्चित तौर पर इसका फायदा मिलेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ट्रंप का टैरिफ वार और भारत का मौन हथियार

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को आज के दौर में यदि किसी एक शब्द में बयान करना हो तो उसे रणनीतिक सहजीवन कहा जा सकता है। व्यापार, तकनीक, रक्षा और कूटनीति—हर क्षेत्र में दोनों देशों के हित आपस में गहरे जुड़े हैं। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के वर्षों में इस सहजीवन में टैरिफ का एक कांटा चुभो दिया है। कभी भारत को टैरिफ किंग और कभी डेड इकोनॉमी कहने वाले ट्रंप अब भारत से आने वाले सामान पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का ऐलान कर चुके हैं, जिसमें से 25 प्रतिशत पेनल्टी के रूप में जोड़ा गया है। इसके पीछे उनका तर्क है कि भारत रूस से तेल और हथियार क्यों खरीदता है, और क्यों अमेरिकी उत्पादों को भारत में बराबरी का मौका नहीं मिलता।

यहां यह समझना जरूरी है कि आर्थिक मोर्चे पर अमेरिका और भारत का रिश्ता कैसा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत-अमेरिका के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 131.84 बिलियन डॉलर तक पहुंचा। इस दौरान भारत ने अमेरिका को 86.51 बिलियन डॉलर का निर्यात किया, जिसमें फार्मास्यूटिकल्स, रत्न-आभूषण और टेक्नोलॉजी सर्वाधिक रहे। वहीं अमेरिका से भारत में 45.33 बिलियन डॉलर का आयात हुआ, जिसमें कच्चा तेल, कोयला और विमान के पुर्जे शामिल हैं। अमेरिका लगातार कई वर्षों से भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भारतीय निर्यातकों के लिए सबसे बड़ा बाज़ार भी।

ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी का सीधा असर भारत के उन सेक्टरों पर पड़ेगा जो अमेरिका को बड़े पैमाने पर माल भेजते हैं, जैसे कपड़ा, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, फार्मा और आईटी सर्विस। लेकिन कहानी का दूसरा पहलू भी है, और यही पहलू भारत के लिए 'मौन जवाब' का हथियार बन सकता है। ट्रंप चाहे भारत को डेड इकोनॉमी कहें, मगर यही अर्थव्यवस्था दर्जनों अमेरिकी कंपनियों के लिए सोने की खान है। भारत में इन कंपनियों की गहरी पैठ है। इतनी गहरी कि उनके उत्पाद और सेवाएं भारतीय उपभोक्ता के रोज़मर्रा के जीवन में घुल-मिल गए हैं। इनसे होने वाला मुनाफा सीधा अमेरिका के खजाने में जाता है। यदि भारत चाहे, तो वह इन कंपनियों पर टैरिफ, टैक्सेशन, या नियामकीय शर्तों के जरिए दबाव डाल सकता है। अमेरिकी कंपनियों का भारत में कारोबार अरबों डॉलर में है और इन पर कोई भी चोट सीधे अमेरिकी शेयर बाजार, रोजगार और मुनाफे को प्रभावित करेगी।

भारत में अमेरिकी कंपनियों की मौजूदगी हर क्षेत्र में फैली हुई है। ई-कॉमर्स में अमेज़न इंडिया, टेक्नोलॉजी में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और एपल। फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) में कोका-कोला, पेप्सिको, प्रॉक्टर एंड गैंबल या पीएंडजी, कोलगेट, फास्ट फूड में मेकडॉनल्ड, केएफसी, डोमिनोज़। लाइफस्टाइल में नाइकी, लेविस, स्केचर्स, जीएपी और बैंकिंग में सिटीग्रुप ये सभी कंपनियां आज भारत में बड़े पैमाने पर कारोबार कर रही हैं। उदाहरण के लिए अमेज़न इंडिया का भारत में वार्षिक कारोबार 8 से 10 बिलियन डॉलर के बीच आंका जाता है, जबकि कोका-कोला और पेपसिको का संयुक्त भारतीय कारोबार 4 बिलियन डॉलर से अधिक है। माइक्रोसॉफ्ट और गूगल की भारतीय इकाइयां मिलकर सालाना 2 बिलियन डॉलर से ज्यादा का राजस्व अर्जित करती हैं।

इनमें से कई कंपनियां न केवल बिक्री से बल्कि भारतीय उपभोक्ताओं के डेटा से भी मुनाफा कमाती हैं। मसलन, मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भारत का यूज़र बेस दुनिया में सबसे बड़ा है, फेसबुक के लगभग 33 करोड़ और इंस्टाग्राम के 25 करोड़ सक्रिय उपयोगकर्ता भारत में हैं। इन प्लेटफॉर्म्स से होने वाली विज्ञापन आय का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका भेजा जाता है। गूगल के लिए भी भारत विज्ञापन बाजार में अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है, जिससे सालाना अरबों डॉलर की आमदनी होती है।

इसी तरह से फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेक्टर में अमेरिकी कंपनियों का दबदबा इतना है कि अगर भारत टैरिफ या प्रतिबंधात्मक कदम उठाए तो यह भारतीय उपभोक्ता बाजार के संतुलन को हिला सकता है। कोका-कोला और पेपसिको मिलकर सॉफ्ट ड्रिंक बाजार के 70 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा रखते हैं। प्रॉक्टर एंड गैंबल और कोलगेट भारतीय टॉयलेटरीज़ बाजार में क्रमशः 20 और 50 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। नेस्ले जोकि स्विस मूल की है लेकिन अमेरिकी साझेदारियों से भी जुड़ी है का मैगी नूडल्स सेगमेंट में लगभग 60 प्रतिशत मार्केट शेयर है।

फास्ट फूड सेगमेंट की बात करें तो मेकडॉनल्ड, केएफसी डोमिनोस् और स्टारबक्स भारतीय शहरी खाद्य संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान बना चुके हैं। डोमिनोस् अकेले ही भारत में सालाना 1.5 बिलियन डॉलर का कारोबार करता है, जबकि स्टारबक्स ने भारत में प्रवेश के बाद से प्रीमियम कॉफी बाजार को लगभग अपने कब्जे में कर लिया है। लाइफस्टाइल और फैशन सेक्टर में नाइकी, लेविस और स्केचर्स जैसे ब्रांड भारतीय युवाओं में अत्यधिक लोकप्रिय हैं। लेविस का भारत में वार्षिक कारोबार करीब 300 मिलियन डॉलर है, जबकि स्केचर्स का भारतीय फुटवेयर बाजार में 5 प्रतिशत हिस्सा है और यह तेजी से बढ़ रहा है। गैप और गेस जैसे ब्रांड प्रीमियम और लक्जरी सेगमेंट में खास पहचान रखते हैं।

इन सबके बीच बैंकिंग और वित्त क्षेत्र भी अमेरिकी मौजूदगी से अछूता नहीं है। सिटीग्रुप का भारत में कॉरपोरेट लोन, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में मजबूत नेटवर्क है। सिटी इंडिया, जिसे आधिकारिक तौर पर सिटीग्रुप के नाम से जाना जाता है, एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी है। भारत में, यह सिटी इंडिया के रूप में काम करता है, जो एक प्रमुख वित्तीय संस्थान है। इसके पास लगभग 25 लाख क्रेडिट कार्ड ग्राहक हैं और भारतीय बाजार से सालाना करीब 1 बिलियन डॉलर का राजस्व अर्जित करता है।

अगर भारत अमेरिकी टैरिफ के जवाब में इन कंपनियों पर आर्थिक चोट करना चाहे तो इसके कई रास्ते हैं। पहला, अमेरिकी उत्पादों और सेवाओं पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाना, जिससे उनकी कीमतें बढ़ जाएं और वे प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाएं। दूसरा, डेटा प्रोटेक्शन, उपभोक्ता सुरक्षा और पर्यावरण मानकों को सख्ती से लागू करना, जिससे उनके परिचालन लागत में वृद्धि हो। तीसरा, 'स्वदेशी' ब्रांडों और स्टार्टअप्स को सरकारी प्रोत्साहन देकर अमेरिकी ब्रांडों की निर्भरता घटाना। चौथा, सरकारी खरीद और रक्षा अनुबंधों में अमेरिकी कंपनियों की प्राथमिकता कम करना।

स्वभाविक है, ऐसे कदमों के वैश्विक असर भी होंगे। सबसे पहले, इससे वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित होगी, हालांकि यह भी सच है कि भारत के लिए अमेरिकी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाना कोई आसान फैसला नहीं होगा। इन कंपनियों में लाखों भारतीय प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार पाते हैं। आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल और सर्विस सेक्टर में इनका योगदान महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी केवल व्यापार तक सीमित नहीं है; इसमें रक्षा, कूटनीति और तकनीकी सहयोग भी शामिल हैं। लेकिन अगर ट्रंप की टैरिफ नीति एकतरफा और आक्रामक रूप से जारी रहती है, तो भारत के पास अपनी आर्थिक सॉफ्ट पावर का इस्तेमाल करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहेगा।

वस्तुत- इतिहास गवाह है कि जब भी कोई देश भारत के आर्थिक हितों पर चोट करता है, तो भारत ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जवाब दिया है। आज की परिस्थिति में 'मौन जवाब' अमेरिकी कंपनियों को भारतीयों द्वारा स्वदेशी के माध्यम से दिया जाने लगे तो आप इसे कोई आश्चर्य नहीं मानना, क्योंकि भारत ऐसे प्रयोग पहले भी कई बार कर चुका है और सफल भी रहा है। फिलहाल इस बारे में यही कहना उचित होगा कि भारत के पास अपने बाजार और अमेरिकी कंपनियों पर नियंत्रण जैसे हथियार मौजूद हैं। यह हथियार शायद उतना दिखावटी न हो जितना ट्रंप का टैरिफ ऐलान, लेकिन यह तय है कि यदि सभी भारतीयों ने स्वदेशी को अपने जीवन में प्राथमकिता दे दी तो इसका असर कहीं अधिक गहरा, व्यापक और दीर्घकालिक होगा।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

लंबे समय तक रही अगस्त क्रांति की धमक

डॉ. प्रभात ओझा

अगस्त क्रांति की शुरुआत 1942 में आठ अगस्त को हुई और कुछ दिनों बाद देश में कई जगहों पर उसका असर साफ तौर पर देखा गया। कुछ घटनाएं तो इतिहास में अमर हो गईं, जब कई जगह स्थानीय लोगों ने अपने को आजाद करा लिया और अपनी प्रशासनिक इकाइयां गठित कर लीं। अपने यहां जिले भर में हिंसक कार्रवाई के बाद 19 अगस्त को स्थानीय नेता चित्तू पाण्डेय को जिला कलेक्टर बनाए जाने के साथ बलिया स्वाधीन हो गया था। बाद में अंग्रेजी सेना और पुलिस के अमानुषिक अत्याचार से वहां की कुछ दिनों की आजादी का दमन कर दिया गया।

देश के पूरब में मेदिनीपुर और पश्चिम में सतारा जरूर लंबे समय तक आजाद रहे। फिर गांधी जी के कहने के बाद सम्पूर्ण देश के साथ एकजुटता के लिए वहां की सरकारें भंग की गईं। यहां देखना होगा कि मेदिनीपुर और सतारा के कुछ अंचलों में छापामार संघर्ष के बाद स्थानीय सरकारों ने सत्ता संभाली थी। बलिया थोड़ा अलग रहा, जहां अंग्रेजी सरकार के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को भी उसकी कुर्सी से हटाकर पूरे जिले की सुगठित सरकार बनाई गई। तब 'स्वाधीन बलिया' के पूरे जिले में मुख्यालय के आदेश माने गए।

वहां कलेक्टर के साथ ही पुलिस कप्तान, तहसीलदार और थानेदार की कुर्सियों पर भी स्थानीय नेता काबिज थे। हां, बलिया, मेदिनीपुर और सतारा, तीनों जगहों पर एक समानता थी। तीनों जगह सरकारी खजानों के धन से कर्मचारियों को वेतन आदि देने आदि का काम किया गया, तो आगे की व्यवस्था चलाने के लिए पंचायत, कृषि केंद्र और अन्य तंत्र स्थापित किए गए।

तत्कालीन बंबई (संप्रति मुंबई) के ग्वालिया टैंक मैदान, जिसे अब अगस्त क्रांति मैदान के नाम से जाना जाता है, वहां अपने ऐतिहासिक भाषण के बाद महात्मा गांधी 1945 तक किसी सार्वजनिक सभा में नहीं बोले। कारण यह कि वे जेल में बंद थे। इसके बावजूद उस ऐतिहासिक भाषण ने ऐसा कर दिखाया, जो भारत की आजादी का मार्ग बन गया। गांधी और अन्य नेताओं की तरह देशभर में लोग गिरफ्तार होते रहे और उनकी जगह नए लोग आ खड़े हुए। स्पष्ट करना आवश्यक है कि यह भाषण मौलाना अबुल कलाम आजाद की अध्यक्षता में कांग्रेस महासिमिति अधिवेशन के पहले दिन सात अगस्त को दिया गया था। इस भाषण में 'करो या मरो' और 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' का प्रस्ताव अगले दिन आठ अगस्त को पारित किया गया था।

ब्रिटिश सरकार की इंडिया वार कमेटी ने गांधी जी के सात अगस्त के भाषण के बाद करीब 24 घंटों तक इंतजार किया था। आठ अगस्त को अधिवेशन में गांधी जी के रखे प्रस्ताव के पारित होने के बाद रात में गांधी सहित तमाम बड़े नेता गिरफ्तार कर लिए गए। उस दौर में जब संचार के सीमित साधन थे, अगले दो दिन लोगों तक इस भाषण के मंतव्य पहुंचने में लगे थे।

फिर तो नौ और 10 अगस्त से ऐसा कुछ शुरू हुआ कि लोगों ने गांधी जी के आह्वान को अपने ढंग से लिया और विदेशी दासता को उखाड़ फेंकने के रास्ते पर चल पड़े। इसी का परिणाम था कि तब के संयुक्त प्रांत का बलिया, बंगाल का मेदिनीपुर और बंबई प्रांत का सतारा आजाद हो गया। यानी संपूर्ण देश की स्वतंत्रता के पांच अथवा साल साल पहले इन स्थानों ने एक रास्ता दिखाया। निश्चित ही यह रास्ता गांधी जी की अहिंसा का नहीं रह गया, पर बाद में गांधी जी ने भी माना कि ब्रिटिश अत्याचार की घटनाओं ने स्थानीय लोगों को हिंसा पर उतरने के लिए बाध्य कर दिया।

गांधी जी के करो या मरो के नारे के बाद 1942 के उस अगस्त में मिदनापुर का तामलूक और सतारा के कुछ हिस्से के लोगों ने बगावत कर दी। मिदनापुर के तामलूक में शुरुआती घटनाओं के बाद 17 दिसंबर,1942 से सितंबर,1944 तक जातीय सरकार (राष्ट्रीय सरकार) चलाई गई। तब राहत कार्य, स्कूलों को अनुदान, आपसी समझौते के लिए अदालतें बनाना और धनी लोगों के कुछ पैसे जरूरमंदों में बांटने तक के काम हुए। सतारा में 'क्रांति सिंह' नाना पाटिल भूमिगत रहते हुए लंबे समय तक समानांतर सरकार (पत्रि सरकार) का नेतृत्व करते रहे।

लोगों ने पुलिस को चकमा देकर हथियार ले लिए। गांवों में कमेटियां बनाकर सरकार के समानांतर काम किए गए। भौगोलिक स्थिति के कारण ये स्थान अंग्रेजों की पकड़ से दूर रहे। इसके विपरीत, बलिया में लोगों ने अंग्रेजों से सीधा मुकाबला किया। बलिया निवासियों ने कई जगह रेल लाइन उखाड़ फेंकी, थानों और कचहरियों पर कब्जे के बाद जिला मुख्यालय पहुंचकर जेल में बंद अपने नेताओं को रिहा कराया। फिर स्वाधीन बलिया की घोषणा हुई।

अगस्त क्रांति शुरू होने के बाद देश के कुछ अन्य हिस्सों में बगावत की कोशिशें हुईं। दरअसल, 1905 में जापान से रूस की पराजय, आयरलैंड का स्वतंत्रता संग्राम और 1917 में रूसी क्रांति ने 20वीं सदी की शुरुआत से ही औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध भारत में भी सशस्त्र विद्रोह की आकांक्षा जगा दी थी। तभी स्वामी विवेकानंद, बंकिम चंद्र चटर्जी और लोकमान्य तिलक आदि मनीषियों के चलते धार्मिक पुनरुत्थानवाद ने भी जोर पकड़ा। इससे भारतीयों में अपनी सभ्यता के गौरव और फिर यूरोपीय शासकों के विरुद्ध आक्रोश बढ़ा।

यह जरूर हुआ कि गांधी जी के अहिंसक आंदोलन के चलते बंगाल और पंजाब जैसे हिस्सों में सशस्त्र संघर्ष कम हुए। इसके बावजूद, यह आक्रोश सुलगता रहा और 1942 आते-आते महात्मा गांधी के नेतृत्व वाले अहिंसक आंदोलन के दौरान भी एक हिंसक विद्रोह बन गया। इसी की परिणति अगस्त क्रांति के दौरान बलिया, मेदिनीपुर और सतारा में देखने को मिली। निश्चित ही ये स्थानीय बगावतें राष्ट्रीय महत्व की बन गईं और इन्होंने आजादी की राह आसान करने में मदद की।

(लेखक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में एसोसिएट एडिटर हैं।)

'रोहित को 2027 वनडे विश्व कप का हिस्सा होना चाहिए, उनमें अभी भी भूख और दृढ़ संकल्प है'

नई दिल्ली। रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि सलामी बल्लेबाज को 2027 वनडे विश्व कप में खेलना चाहिए, जो अक्टूबर और नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। रोहित ने इस साल की शुरुआत में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दिलाया था। एकदिवसीय विश्व कप में दो साल से अधिक का समय बचा है और आने वाले महीनों में भारत के लिए 50 ओवर के मैच सीमित हैं, ऐसे में एकदिवसीय प्रारूप में रोहित के भविष्य को लेकर अफवाहें तेज हो गई हैं। अनुभवी कोच ने रोहित को 2011 वनडे विश्व कप से बाहर किए जाने की ओर इशारा किया और कहा कि इस दाएं हाथ के बल्लेबाज में अभी भी देश के लिए योगदान देने की भूख और दृढ़ संकल्प है। लाड ने कहा, रोहित शर्मा को 2027 वनडे विश्व कप में जरूर खेलना चाहिए। ट्रॉफी जीतना हमेशा से उनका सपना रहा है, और वह 2011 की विजयी टीम का हिस्सा बनने से चूक गए। लाड रोहित के नेतृत्व के भविष्य को लेकर संशय में रहे, लेकिन अगले वनडे विश्व कप में उनके शामिल होने का समर्थन किया। उन्होंने कहा, वह टीम का नेतृत्व करेंगे या नहीं, यह बीसीसीआई और चयनकर्ताओं को तय करना है, लेकिन उनमें अभी भी भूख और दृढ़ संकल्प है, उन्हें 2027 विश्व कप टीम का हिस्सा होना चाहिए। रोहित ने 273 वनडे मैचों में 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं जिसमें 32 शतक और 58 अर्धशतक शामिल हैं। उनके नाम इस प्रारूप में तीन दोहरे शतक लगाने का अनोखा रिकॉर्ड भी है।

हरमनप्रीत ने विश्व कप से पहले बताई योजना

मुंबई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उनकी टीम मिथक तोड़कर अगले महीने शुरू हो रहे एकदिवसीय महिला विश्व कप में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अभी तक कोई विश्व खिताब नहीं जीत पाई है हालांकि कुछ अवसरों पर वह इसके करीब पहुंची थी। इसमें 2017 में इंग्लैंड में खेला गया वनडे विश्व कप भी शामिल है जिसमें भारत उपविजेता रहा था। हरमनप्रीत ने वनडे विश्व कप ट्रॉफी के अनावरण समारोह में कहा, 'हम उस मिथक को तोड़ना चाहते हैं जिसका सभी भारतीय इंतजार कर रहे हैं। विश्व कप हमेशा खास होता है। मैं हमेशा अपने देश के लिए कुछ खास करना चाहती हूं। जब भी मैं युवी भैया (युवराज सिंह) को देखती हूं तो मुझे काफी प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने 'गलत प्रारूप' से संन्यास लिया, रोहित-विराट के टेस्ट क्रिकेट छोड़ने पर पूर्व क्रिकेटर का बड़ा बयान

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के जल्द ही वनडे से संन्यास लेने की मीडिया रिपोर्टों के बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि भारतीय दिग्गजों ने गलत प्रारूप से संन्यास लिया और वर्तमान समय में वनडे क्रिकेट के अभाव के कारण उन्हें टेस्ट क्रिकेट की बजाय 50 ओवर के प्रारूप को छोड़ना चाहिए था। कप्तान शुभमन गिल द्वारा भारत को 2-2 से शानदार ड्रॉ दिलाने के कुछ दिनों बाद ऐसी खबरें आने लगीं कि रोहित और विराट वनडे भी छोड़ सकते हैं। दोनों ही 2027 में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया में होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप की योजना में नहीं हैं, जब तक कि दोनों अपनी मैच फिटनेस और फॉर्म साबित करने के लिए घरेलू 50 ओवर का क्रिकेट नहीं खेलते। दोनों क्रिकेटरों ने मई में भारत के इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए चोपड़ा ने कहा, सच्चाई यह है कि उन्होंने गलत फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। उन्होंने टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 छोड़ दिया था, लेकिन अगर वे टेस्ट खेलना जारी रखते और वनडे को अलविदा कह देते तो कहानी कुछ और होती। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले 12 महीनों में भारत ने सिर्फ 6 वनडे खेले थे। उन्होंने आगे कहा, हो सकता है कि आप साल में सिर्फ छह टेस्ट खेलें, लेकिन अगर ये सिर्फ छह टेस्ट भी हैं, तो ये 30 दिन का क्रिकेट है।

सीएसके से अपनी भूमिका के बारे में स्पष्टता चाहते हैं अश्विन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के ऑलराउंडर आर अश्विन ने अपनी टीम से साफ पूछा है कि आने वाले IPL में वे उनका इस्तेमाल कैसे करने वाले हैं। उन्होंने फ्रेंचाइजी से कहा है कि अगर वह टीम की योजनाओं में फिट नहीं बैठते तो उन्हें टीम से अलग होने में कोई दिक्कत नहीं है। अश्विन को इस्प्य ने पिछले साल बड़ी नीलामी में 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था और उन्होंने 14 में से नौ मैच खेले थे। यह साल उनके लिए एक तरह से घर वापसी जैसा था क्योंकि नौ सीजन तक बाहर खेलने के बाद वे अपने शहर की टीम में लौटे थे। 2009 के डेब्यू सीजन के बाद यह पहला सीजन था, जब उन्होंने एक सीजन में 12 से कम मैच खेले। यह उनका सबसे महंगा साल भी रहा क्योंकि उन्होंने प्रति ओवर 9.12 रन दिए।आईपीएल में पहली बार उनकी इकॉनमी एक सीजन में 8.49 से ऊपर गई। खिलाड़ियों को रिलीज करने की अंतिम तारीख आमतौर पर इस बात पर निर्भर करती है कि उस साल की नीलामी कब है। यह आईपीएल 2026 के लिए अभी तय नहीं हुआ है। बड़ी नीलामी हर तीन साल में होती है, लेकिन छोटी नीलामी हर साल होती है। यह आमतौर पर नवंबर से फरवरी के बीच कभी भी हो सकती है।

द हंड्रेड: मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने दर्ज की पहली जीत, लंदन स्पिरिट को 10 रन से हराया

एजेंसी
लंदन। मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने सीजन की पहली जीत दर्ज करते हुए लंदन स्पिरिट को 10 रनों से हराया। ओरिजिनल्स की ओर से शीर्ष चार बल्लेबाजों ने 20 से अधिक रन बनाए, जिससे टीम ने 163 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में लंदन स्पिरिट के लिए डेविड वॉर्नर ने अर्धशतक जड़ा और इस साल के पुरुष वर्ग में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए, लेकिन टीम लक्ष्य से 10 रन दूर रह गई। ओरिजिनल्स के लिए बेन मैकिनी ने 12 गेंदों पर तीन छक्कों और दो चौकों की मदद से 29 रन की तेज पारी खेली। फिल साल्ट (31) ने उन्हें अच्छा साथ दिया। जोस बटलर (46) और हेनरिक क्लासेन (24) ने पारी को संभाला, लेकिन तेजी से रन नहीं बना सके। फिर भी टीम का स्कोर पुरुष प्रतियोगिता के इस सीजन के संयुक्त रूप से सर्वाधिक 163 रन रहा। लंदन

स्पिरिट की पारी की शुरुआत में सॉनी बेकर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पहले दस गेंदों में सिर्फ चार रन दिए और वॉर्नर को लगातार परेशान किया। वॉर्नर (71) और कप्तान केन विलियमसन ने संभलकर खेलते हुए स्कोर 75 तक पहुंचाया, लेकिन रन गति बनाए रखना चुनौतीपूर्ण रहा। जेमी स्मिथ और एश्टन टर्नर ने बड़े शॉट लगाए, पर आखिरी 40 गेंदों में दो रन प्रति गेंद की दर से खेलना टीम के लिए मुश्किल हो गया। जॉश टंग ने तीन विकेट झटके, जिसमें वॉर्नर का अहम विकेट भी शामिल रहा। अंतिम ओवरों में जेमी ओवरटन (19 रन, 7 गेंद) के प्रयास के बावजूद स्पिरिट 153/6 पर सिमट गई। मैच के 'मैकेंट मैच हीरो' बने सॉनी बेकर ने कहा, यह एक बड़ी टीम के खिलाफ अहम जीत है। मैं सिर्फ तेज गेंदबाजी करते हुए नई गेंद से स्विंग निकालने की कोशिश कर रहा था, खासकर बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ। वॉर्नर जैसे खिलाड़ी के खिलाफ गेंदबाजी करना चुनौतीपूर्ण था और जीत से बहुत खुश हूं।

स्कोरकार्ड :
मैनचेस्टर ओरिजिनल्स - 163/6 (बटलर 46, ओवरटन 2/26, स्टोन 2/27)।
लंदन स्पिरिट - 153/6 (वॉर्नर 71, टंग 3/29)
परिणाम - मैनचेस्टर ओरिजिनल्स 10 रन से विजयी।

क्रिकेट विश्व कप 2025 : युवराज सिंह ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दी सलाह

एजेंसी
मुंबई। भारत में आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की मेजबानी में अब केवल 50 दिन शेष हैं। ऐसे में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज युवराज सिंह ने टीम की संभावनाओं पर भरोसा जताया है। घरेलू मैदान पर विश्व कप खेलने के अपने असाधारण अनुभव पर विचार करते हुए युवराज ने जोर देकर कहा कि यह अवसर महत्वपूर्ण तो है, लेकिन सफलता की कुंजी टीम के अपनी प्रक्रियाओं पर अडिग रहने में निहित है। युवराज ने कहा, मुझे लगता है कि 50 ओवरों का विश्व कप ही विश्व कप है। यह भारत में हो रहा है और मुझे लगता है कि सभी को इसके लिए बहुत उत्साहित होना चाहिए। मेरा मानना है कि ऐसे पल आपके जीवन में बार-बार नहीं आते।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि यह इतिहास रचने का एक शानदार मौका है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि शुरुआत से ही आपको लगे कि आप जीत रहे हैं। आपको इसकी पूरी पहेली का अनुभव करना होगा। आपको यह महसूस करना होगा कि आप पूरी प्रक्रिया में लगे हैं, और परिणाम जरूर आएंगे। युवराज सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है कि महिला क्रिकेटरों का उसी तरह समर्थन किया जाए जैसे प्रशंसक पुरुष टीम का करते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि (महिला टीम) कुछ फाइनल हार चुकी है। हम उस दौर से गुजर चुके हैं। और यह बहुत जरूरी है कि आप इस पल का आनंद लें। आगे के बारे में सोचने के बजाय, इस पल में जीएं। हम लड़कों का समर्थन कर रहे थे। अब लड़कियों का समर्थन करने का समय है।' घरेलू विश्व कप में अतिरिक्त दबाव होता है, जिसके बारे में यह पूर्व भारतीय बाएं हाथ का खिलाड़ी अच्छी तरह जानता है। उन्होंने आगामी टूर्नामेंट में घरेलू दर्शकों के सामने खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए कुछ उपयोगी सलाह दी।

विमेंस स्पीड चेस चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टरफाइनल में पहुंची दिव्या देशमुख

एजेंसी
नई दिल्ली। हाल ही में जॉर्जिया में आयोजित फिडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने चीनी जीएम लेई टिंगजी को 10-3 से हराकर विमेंस स्पीड चेस चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। विमेंस स्पीड चेस चैंपियनशिप एक ऑनलाइन नॉकआउट टूर्नामेंट है जिसमें 16 खिलाड़ी हिस्सा लेती हैं। इनमें आठ क्वालिफायर और आठ

19 वर्षीय दिव्या ने शुरुआती राउंड में ही लेई पर दबदबा कायम करते हुए शानदार जीत दर्ज की। अब क्वार्टरफाइनल में उनका सामना तीन बार की विश्व चैंपियन और चीनी जीएम हाउ यीफान से होगा। यह मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा।भारत की एक अन्य प्रतिभागी आर. वैशाली पहले ही बाहर हो चुकी हैं। उन्हें पिछले हफ्ते अमेरिकी आईएम ऐलिस ली के हाथों 6-8 से हार का सामना करना पड़ा था। सीधे आमंत्रित खिलाड़ी होती हैं। कुल इनामी राशि 75,000 अमेरिकी डॉलर है, जिसमें विजेता को 7,000 डॉलर मिलेंगे। पहले और क्वार्टरफाइनल राउंड में तीन सेगमेंट खेले जाते हैं–पहले 45 मिनट तक 5+1 गेम, फिर 30 मिनट तक 3+1 गेम और अंत में 15 मिनट तक 1+1 गेम। सेमीफाइनल और फाइनल में समय अवधि और बढ़ा दी जाती है। हर जीत पर एक अंक और ड्रॉ पर आधा अंक मिलता है। पहले सेगमेंट के बाद दिव्या 3.5-0.5 से आगे थीं। दूसरे सेगमेंट के अंत तक उन्होंने बढ़त 7.5-1.5 कर ली और फिर अंतिम सेगमेंट 2.5-1.5 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

लोकसभा में राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक और एंटी-डोपिंग संशोधन विधेयक पारित

एजेंसी
नई दिल्ली। भारी हंगामे के बीच केंद्र सरकार ने लोकसभा में राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक और राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग संशोधन विधेयक पारित कर दिए। इन दोनों विधेयकों को खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मौजूदा मानसून सत्र के दौरान सदन में पेश किया। इस दौरान सदन की अध्यक्षता भाजपा की निर्वाचित सांसद संध्या राय ने की।

राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक का उद्देश्य देश के विभिन्न खेल प्रशासकों को विनियमित करना है, जबकि राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग संशोधन विधेयक विश्व एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) के निर्देशानुसार राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) को अधिक संचालनात्मक स्वतंत्रता प्रदान करता है। इन विधेयकों का मकसद राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) विधेयक, 2025 का उद्देश्य राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग अपील पैनल और राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी की संस्थागत और संचालनात्मक

स्वतंत्रता को बढ़ाना है, ताकि उनके संचालन, जांच और प्रवर्तन संबंधी निर्णयों में स्वायत्तता सुनिश्चित हो सके। खेल मंत्री मांडविया ने लोकसभा में कहा, यह विधेयक स्वतंत्रता के बाद खेलों में सबसे बड़ा सुधार होगा। इस विधेयक के माध्यम से हम 'ग्राउंड टू ग्लोरी' के सपने को साकार करने की उम्मीद करते हैं। यह जवाबदेही और पेशेवराना ढांचे को मजबूत करेगा, महिलाओं को अधिक अवसर देगा और हमारे खिलाड़ियों के लिए न्याय सुनिश्चित करेगा।

डीपीएल : नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 11 रन से हराया

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन-2 के 19वें मुकाबले में सोमवार रात नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए वेस्ट दिल्ली लायंस को 11 रन से मात दी। यह मैच अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 165 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज सार्थक रंजन ने 42 गेंद में 33 रन की पारी खेली, जबकि अर्जुन रापड़िया ने मात्र 22 गेंदों में 40 रन (3 चौके, 3 छक्के) जड़े।

यजस शर्मा ने 15 गेंदों में 23 और यश भाटिया ने 17 गेंदों में 22 रन जोड़े। वेस्ट दिल्ली की ओर से मयंक गुसाईं सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 1 ओवर में मात्र 2 रन देकर 3 विकेट झटके। लक्ष्य का

पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत खराब रही और टीम ने 13 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। कप्तान हर्षित राणा और विकास दीक्षित ने शुरुआती झटके दिए। विकेटकीपर क्रिश यादव ने 23 रन बनाकर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रन रेट लगातार बढ़ता गया। इसके बाद ह्रतिक शोकीन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंद में 51 रन (5 चौके, 3 छक्के) बनाए और सिर्फ 19 गेंदों में 49 रन की साझेदारी की। हालांकि, दीपांशु गुलिया की मिडिल ओवर में तीन अहम विकेट और कप्तान राणा के किफायती अंतिम ओवर ने लायंस की पारी को 154/8 पर रोक दिया।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:
नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स - 165/9 (20 ओवर), सार्थक रंजन 42 (33), अर्जुन रापड़िया 40 (22), मयंक गुसाईं 3/2
वेस्ट दिल्ली लायंस - 154/8 (20 ओवर), ह्रतिक शोकीन 51 (24), मयंक गुसाईं 24 (24), दीपांशु गुलिया 3/44

डेविड वॉर्नर ने विराट कोहली को पीछे छोड़ा, टी20 क्रिकेट में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

एजेंसी
मैनचेस्टर (यूके)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी टी20 क्रिकेट में सक्रिय ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वॉर्नर ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। वार्नर अब टी20 क्रिकेट में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए है। वॉर्नर ने यह उपलब्धि इंग्लैंड में चल रही द हंड्रेड प्रतियोगिता के दौरान मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के खिलाफ अपनी टीम लंदन स्पिरिट्स के मैच के दौरान हासिल की। मैच के दौरान वॉर्नर ने 51 गेंदों में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 71 रनों की शानदार पारी खेली और 139 से ज्यादा की औसत से रन बनाए। हालांकि इन प्रयासों के बावजूद उनकी टीम मैनचेस्टर द्वारा बनाए गए 164 रनों के लक्ष्य से चूक गई। लेकिन वह अपने नाम बड़ा रिकॉर्ड कायम करने में कामयाब रहे। मैनचेस्टर ने फिल साल्ट (20 गेंदों में 31 रन, चार चौकों और एक छक्के की मदद से), बेन मैककिनी (12 गेंदों में 29 रन, दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से) और जोस बटलर (37 गेंदों में 46 रन, तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से) की पारियों के दम पर 163 का स्कोर बनाया था। अब 419 टी20 मैचों में वार्नर ने 36.80 की औसत और 140 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 13,545 रन बनाए हैं जिसमें 8 शतक और 113 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135* है। यह वार्नर का पहला द हंड्रेड सीजन है और वह तीन मैचों में 75.00 की औसत, 141.50 की स्ट्राइक रेट और दो अर्धशतकों के साथ 150 रन बनाकर शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। दूसरी ओर भारतीय आइकन विराट ने 414 मैचों और 397 पारियों में 41.92 की औसत, 134.67 की स्ट्राइक रेट, 9 शतक और 105 अर्धशतकों के साथ 13,543 रन बनाए हैं।

तेलंगाना के वी. नवीन कुमार: खो-खो से मैदान के चैंपियन से लेकर डॉक्टरेट तक का सफर

एजेंसी
दिल्ली/हैदराबाद। तेलंगाना के खो-खो खिलाड़ी वी. नवीन कुमार की कहानी इस बात का प्रेरक उदाहरण है कि कैसे देशी खेल जीवन में भी चैंपियन बना सकते हैं। साधारण परिवार में जन्मे, जिनके माता-पिता बीड़ी मजदूर थे, कुमार ने कठिनाइयों को पीछे छोड़ते हुए सरकारी नौकरी हासिल की, भारत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया और हाल ही में हैदराबाद स्थित उस्मानिया विश्वविद्यालय से फिजिकल एजुकेशन में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

34 वर्षीय कुमार का खो-खो से परिचय कक्षा-7 में हुआ। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने खेलना जारी रखा। उन्होंने कहा, ÷कई बार घर की बुनियादी जरूरतें पूरी करना मुश्किल

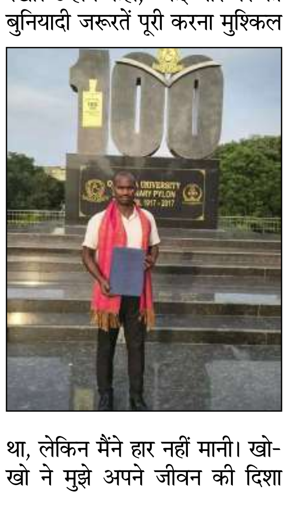

था, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। खो-खो ने मुझे अपने जीवन की दिशा खुद तय करने का साहस दिया।÷ अब वे स्कूल के बच्चों को खो-खो सिखा रहे हैं, और मानते है कि 2025 वर्ल्ड कप के बाद युवाओं में इस खेल को लेकर रुचि बढ़ी है। उनका शोध तेलंगाना राज्य के खो-खो खिलाड़ियों में अंतराल प्रशिक्षण के शारीरिक फिटनेस और शारीरिक परिवर्तनीयताओं पर प्रभाव विषय पर आधारित है, जो पारंपरिक खेलों में आधुनिक खेल विज्ञान के समावेश की संभावनाओं को उजागर करता है। कुमार मानते हैं कि यह एकीकरण खिलाड़ियों के साथ-साथ मनोविज्ञान, फिजियोथेरेपी और स्पोर्ट्स मेडिसिन जैसे क्षेत्रों को भी समृद्ध कर सकता है। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कुमार को बधाई देते हुए कहा, खो-खो खिलाड़ियों की कहानियां हिम्मत और दृढ़ संकल्प की मिसाल होती हैं। आज खो-खो में खेल विज्ञान का समावेश हो चुका है और यह किसी भी आधुनिक खेल के बराबर है।÷ संगठन एवं प्रशासन समिति के अध्यक्ष डॉ. एम.एस. त्यागी ने भी ऐसे और शोध कार्यों की आवश्यकता पर जोर दिया। 2012 से 2017 के बीच कुमार ने छह सीनियर नेशनल चैंपियनशिप और ऑल इंडिया मेन्स इंटर यूनिवर्सिटी खो-खो चैंपियनशिप में राज्य का प्रतिनिधित्व किया। जनवरी 2017 में नवी मुंबई में भारत बनाम इंग्लैंड खो-खो टेस्ट सीरीज में गोल्ड मेडल जीतना उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि रही।

सिनसिनाटी ओपन में स्वियातेक को वॉकओवर, गॉफ ने शिन्यू को हराया

एजेंसी
सिनसिनाटी। विम्बलडन चैंपियन इगा स्वियातेक (पोलैंड) ने एटीपी-डब्ल्यूटीए सिनसिनाटी ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली। उनके तीसरे दौर की प्रतिद्वंद्वी, 27वीं रैंकिंग की यूक्रेन की मार्टा कोस्ट्युक, दाहिनी कलाई की चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गईं। 2017 की फ्रेंच ओपन विजेता येलेना ओस्टापेंको को भी वॉकओवर मिला, क्योंकि कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो पेट की चोट के चलते बाहर हो गईं। फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने चीन की वांग शिन्यू को 6-3, 6-2 से हराकर दूसरे दौर से आगे बढ़ने में सफलता पाई। 2023 में सिनसिनाटी का खिताब जीत चुकीं गॉफ ने पहला सेट जीतने के लिए कड़ा संघर्ष किया, लेकिन दूसरे सेट में लय पकड़ते हुए 71 मिनट में मुकाबला

अपने नाम कर लिया। दूसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने मैच के बाद कहा, ÷शुरुआत कठिन रही, लेकिन यह अपने आप पर और अभ्यास में किए गए काम पर भरोसा रखने का मामला था। तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने किम्बर्ली बिरेल को 6-4, 6-3 से हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी ने भी अगले दौर में प्रवेश किया, उन्होंने ग्रीस की मारिया साक्कारी को 7-6 (7/2), 7-6 (7/5) से मात दी।

100 करोड़ की मानहानि का मामला : धोनी को बड़ी सफलता, हाईकोर्ट ने सुनवाई का आदेश दिया

एजेंसी
चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी द्वारा दो प्रमुख मीडिया चैनलों और एक पत्रकार के खिलाफ 2013 के आईपीएल सट्टेबाजी कांड में उनका नाम घसीटने के आरोप में दायर 100 करोड़ रुपए के मानहानि के मामले में सुनवाई का आदेश दिया है। एमएस धोनी इस मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। न्यायमूर्ति सीवी कार्तिकेयन ने एक एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया है जो धोनी की ओर से सबूत दर्ज करेगा। दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान इस पूछताछ के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं होंगे क्योंकि एक सेलिब्रिटी होने के कारण उनकी उपस्थिति से अव्यवस्था पैदा हो सकती है। धोनी ने 2014 में प्रतिवादियों से 100 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग करते हुए यह मामला दायर किया था। 44 वर्षीय धोनी का आरोप है कि आईपीएल सट्टेबाजी कांड पर एक टेलीविजन बहस के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की गईं।एक रिपोर्ट के अनुसार वरिष्ठ वकील पीआर रमन ने धोनी की ओर से एक हलफनामा पेश किया जिसमें मुकदमे की शुरुआत की मांग की गई थी। यह मुकदमा एक दशक से लंबित है, क्योंकि संबंधित पक्ष वर्षों से राहत की मांग कर रहे हैं।

शेरगर कप 2025: भारत के सूरज नररेड्डी ने रचा इतिहास, टीम एशिया ने जीता पहला खिताब

एजेंसी
नई दिल्ली। ब्रिटेन के प्रतिष्ठित एस्कॉट रेसकोर्स में आयोजित शेरगर कप 2025 में भारतीय घुड़सवार सूरज नररेड्डी ने इतिहास रचा है। 40 वर्षीय 'मैजिक मैन ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर नररेड्डी की कप्तानी में टीम एशिया ने पहली बार में ही खिताब जीतकर नया कीर्तिमान बनाया। जापानी जॉकी रयुसेई सकाई और मिराई इवाता के साथ मिलकर नररेड्डी ने छह में से दो रेस जीतीं और एक में दूसरा स्थान हासिल किया। रोमांचक मुकाबले में एशिया ने यूरोप को महज एक अंक से पछाड़ा। एशिया ने 68 अंक, यूरोप ने 67 अंक, ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड ने 62 अंक और रेस्ट ऑफ द वर्ल्ड ने 55 अंक हासिल किए। ह्यूग बोमन को सर्वश्रेष्ठ जॉकी का 'सिल्वर सैडल' पुरस्कार मिला। डायलन कुज़न्हा के प्रशिक्षण में नररेड्डी ने 'फायरब्लेड' पर सवार होकर दुबई ड्यूटी फ्री प्रायोजित शेरगर कप स्टेयर्स में शानदार जीत दर्ज

की। वहीं, सकाई ने 'प्रिंस ऑफ इंडिया' पर सवार होकर शेरगर कप स्प्रिंट में जीत हासिल की। इस जीत के गवाह बने डिप्टी एमडी सलाह ताहलाक और सीनियर वीपी ऑफ मार्केटिंग सिनएड एल सिबाई। दो मील की रेस में नररेड्डी ने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और अंत तक विरोधियों को करीब दो लंबाई पीछे रखते हुए फिनिश लाइन पार की। जीत के बाद उन्होंने कहा, पहली बार टीम के रूप में आकर जीतना केक पर आइसिंग जैसा है। मुझे यकीन है कि आने वाले समय में यह टीम एक बड़ी ताकत बनेगी। 2,400 से अधिक करियर जीत दर्ज कर चुके नररेड्डी के लिए यह सफलता सिर्फ पेशेवर उपलब्धि नहीं, बल्कि पारिवारिक गौरव का भी प्रतीक है। उनके पिता और चाचा भी घुड़दौड़ में नाम कमा चुके हैं, और वह इस विरासत को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। भावुक नररेड्डी ने कहा, यह मेरा सपना था, जो आज सच हो गया। मैंने हमेशा सोचा था कि यह पल कैसा होगा, लेकिन अब इसे जीना अविश्वसनीय लग रहा है। यह मेरे जीवन के सबसे बड़े पलों में से एक है।

इस जीत को अपने देश के लिए समर्पित करना मेरे लिए गर्व की बात है। जीत का जश्न मनाने के लिए नररेड्डी ने पहली बार अपने आदर्श फ्रेंकी डेटोरी की मशहूर 'फ्लाइंग डिसमाउंट' की, जिससे दर्शकों में उत्साह चरम पर पहुंच गया और पूरा एस्कॉट तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

पटेल रिटेल लिमिटेड का आईपीओ 19 अगस्त को खुलेगा, प्राइस बैंड 237-255 रुपये प्रति शेयर

मुंबई/नई दिल्ली। सुपरमार्केट श्रृंखला पटेल रिटेल लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 19 अगस्त को खुलकर 21 अगस्त को बंद होगा। इस आईपीओ के लिए कंपनी ने मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 237-255 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि निवेशक इसमें 21 अगस्त तक बोली लगा सकते हैं। वहीं, बड़े (एंकर) निवेशकों के लिए बोली की लगाने की प्रक्रिया 18 अगस्त को होगी। इसके लिए मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 237-255 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेशक कम से कम 58 इक्विटी शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं, और इसके बाद 58 के मल्टीपल में बोली लगाई जा सकती है। पटेल रिटेल लिमिटेड के 10 रुपये फेस वैल्यू वाले इस आईपीओ के तहत 85.18 लाख नए शेयर और प्रवर्तकों के 10.02 लाख शेयरों की बिक्री होगी। प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स ये शेयर बेचेंगे। इसमें पात्र कर्मचारियों के लिए रिजर्वेशन भी शामिल है। इसमें कर्मचारियों को आईपीओ में 20 रुपये प्रति शेयर की छूट दी जाएगी। कंपनी आईपीओ से जुटाए पैसों में से 59 करोड़ रुपये तक का इस्तेमाल पटेल रिटेल लिमिटेड के कुछ कर्जों का पूरा या आंशिक भुगतान/पूर्व-भुगतान के लिए करेगी।

बैंक बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि तय करने के लिए स्वतंत्र : आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली/मेहसाणा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि बैंक बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। मल्होत्रा ने कहा कि यह आरबीआई के नियामक अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। आरबीआई के गवर्नर ने गुजरात के मेहसाणा जिले की गोजरिया ग्राम पंचायत में आयोजित वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियानपर एक समारोह में पत्रकारों से चर्चा के दौरान यह बात कही। मल्होत्रा ने एक निजी क्षेत्र के बैंक की ओर से बचत खातों के लिए आवश्यक न्यूनतम शेष राशि बढ़ाने के बारे में पूछे जाने पर कहा, आरबीआई ने यह निर्णय प्रत्येक बैंक पर छोड़ दिया है कि वे कितना न्यूनतम शेष निर्धारित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ बैंकों ने बचत खातों के लिए 10,000 रुपये न्यूनतम शेष राशि रखा है, जबकि कुछ ने 2,000 रुपये रखा है। वहीं, कुछ बैंकों ने (ग्राहकों को) इसकी छूट दी है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि यह (आरबीआई के) नियामक क्षेत्राधिकार में नहीं है। इससे पहले बैंकिंग हितधारकों की पैरोकारी करने वाली एक नागरिक संस्था ने वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर आईसीआईसीआई बैंक के बचत खातों में न्यूनतम जमा राशि बढ़ाने का विरोध किया था। नागरिक संस्था बैंक बचाओ देश बचाओ मंच ने वित्त मंत्री को लिखे पत्र में आईसीआईसीआई बैंक के इस फैसले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने हाल ही में 1 अगस्त से खोले जाने वाले नए बचत खातों के लिए न्यूनतम शेष राशि की आवश्यकता को पांच गुना बढ़ा दिया था।

अडानी डिफेंस एमआरओ सेवा प्रदाता इंडैमर टेक्निक्स का करेगी अधिग्रहण

अहमदाबाद। अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एडीएसटीएल) ने निजी क्षेत्र की एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहालिंग) सेवा प्रदाता कंपनी इंडैमर टेक्निक्स प्राइवेट लिमिटेड (आईटीपीएल) में शत-प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक निर्णायक समझौता किया है। अडानी डिफेंस ने बताया कि उसने अपनी इकाई होराइजन एयरो सॉल्यूशंस लिमिटेड के माध्यम से और प्राइम एयरो सर्विसेज एलएलपी के साथ साझेदारी में यह समझौता किया है। होराइजन अभी अडानी डिफेंस और इंडैमर टेक्निक्स के निदेशक प्रजय पटेल के स्वामित्व वाली कंपनी प्राइम एयरो के बीच 50-50 की साझेदारी वाला संयुक्त उद्यम है। नागपुर में मिहान विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) में रणनीतिक रूप से स्थित आईटीपीएल ने 30 एकड़ की भूमि पर एक अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड सुविधा स्थापित की है। इस सुविधा में 10 हैंगरों में 15 विमान के रखने की क्षमता है। आईटीपीएल को भारत के विमानन नियामक डीजीसीए, अमेरिकी नियामक एफएए और अन्य वैश्विक नागरिक उड्डयन नियामकों द्वारा अनुमोदित किया गया है। कंपनी प्रमुख भारतीय और वैश्विक ग्राहकों को लीज़ रिटर्न चेक, हेवी सी-चेक, स्ट्रक्चरल रिपेयर और एयरक्राफ्ट पेंटिंग सहित एमआरओ सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करती है।

सोने पर टैरिफ को लेकर ट्रंप ने अटकलों पर लगाया विराम, दिया बड़ा बयान

वाशिंगटन। सोने पर संभावित टैरिफ को लेकर चल रही अटकलों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विराम लगा दिया है। उन्होंने एक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि उनकी सरकार का फिलहाल सोने पर टैरिफ लगाने का कोई इरादा नहीं है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि सरकार चीन से आने वाले सोने पर भारी शुल्क लगाने की योजना बना रही है। इस खबर के बाद सोने के वैश्विक बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखा गया था, लेकिन ट्रंप के इस स्पष्टीकरण से बाजार में स्थिरता आने की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा कि सोने को एक सुरक्षित निवेश के रूप में देखा जाता है और वह इस बाजार को किसी भी तरह से प्रभावित नहीं करना चाहते हैं। उनका यह बयान निवेशकों और बाजार विशेषज्ञों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है।

संसद ने मणिपुर बजट और राज्य जीएसटी संशोधन विधेयक को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद ने मणिपुर बजट तथा मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संशोधन विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने मणिपुर के बजट और संबंधित (संख्या 2) विधेयक, 2025 तथा मणिपुर जीएसटी (संशोधन) विधेयक, 2025 पर संयुक्त चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद इन्हें लोकसभा को लौटा दिया दिया। लोकसभा इन्हें पिछले हफ्ते पहले ही पारित कर चुकी है।केंद्रीय वित्त मंत्री ने राज्?यसभा में इन विधेयकों पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि मणिपुर, उसका बजट, उसका कर राजस्व, जीएसटी में उसकी भागीदारी राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सीतारमण ने कहा कि पहले राज्य के लिए लेखा अनुदान लाया गया था, लेकिन यह पूर्ण बजट है। वित्त मंत्री ने कहा कि विपक्ष ने पहले मणिपुर के मामले में बहुत रुचि दिखाई थी,

लेकिन आज जब मणिपुर के लोगों को उनका पैसा मिलने जा रहा है, तो उन्हें (विपक्ष को) इसकी अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने विपक्ष के सदस्यों से चर्चा में भाग लेने को कहा। सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा मणिपुर के लिए 2898 करोड़ रुपये का बजट बनाया गया है। इसमें से 1667 करोड़ रुपये पूंजीगत खाते में व्यय होंगे, जिसका अर्थ है कि परिसंपत्तियों का निर्माण होगा और रोजगार का सृजन होगा, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की अर्थव्यवस्था पटरी पर आएगी। सीतारमण ने कहा कि 1231 करोड़ रुपये राजस्व सहायता पर व्यय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके तहत आतंरिक रूप से विस्थापित लोगों के पुनर्वास में जो तत्काल जरूरतें हैं, उनको पूरा करने के लिए 523 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे पहले केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 और मणिपुर विनियोग (संख्या 2) विधेयक, 2025 दोनों विधेयकों को एक साथ राज्यसभा में विचारार्थ और वापसी के लिए प्रस्तुत किया। इसके साथ ही उन्होंने बजट (मणिपुर), 2025-26 को भी चर्चा के लिए प्रस्तुत किया। राज्यसभा ने इन विधेयकों मणिपुर विनियोग (संख्या 2) विधेयक, 2025 और मणिपुर माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 लौटा दिया।

निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में संशोधित आयकर विधेयक, 2025 पेश किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में नए आयकर विधेयक, 2025 का संशोधित संस्करण पेश किया। इस विधेयक में बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली प्रवर समिति की अधिकांश सिफारिशें शामिल हैं, जो मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 को प्रतिस्थापित करेगा। दरअसल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नए आयकर विधेयक, 2025 को वापस ले लिया था, जिसे 13 फरवरी को लोकसभा में मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 के स्थान पर वित्त मंत्री ने पेश किया था। संशोधित आयकर विधेयक, 2025 में भाजपा सांसद बैजयंत जय पांडा की अध्यक्षता वाली प्रवर समिति की अधिकांश सिफारिशों को शामिल किया गया हैं। प्रवर समिति ने आयकर विधेयक के लिए 285 सुझाव दिए थे। आयकर विधेयक, 2025 को भारत की कराधान प्रणाली को अद्यतन और सरल बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो 60 वर्षों से अधिक समय से लागू

कानूनों की जगह लेगा। इसमें एक संशोधित संरचना, डिजिटल कराधान के प्रावधान, विवादों के समाधान की प्रणालियां और तकनीकी एवं डेटा-संचालित तरीकों के जरिए कर संग्रह का विस्तार करने की पहल शामिल है।

हाइवे इंफ्रास्ट्रक्चर की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और मैनेजमेंट कंपनी हाइवे इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 70 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 117 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 115 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह स्टॉक मार्केट में एंट्री करने के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 67 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 122.84 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 75 प्रतिशत से अधिक का मुनाफ हो चुका है। हाइवे इंफ्रास्ट्रक्चर का 130 करोड़ रुपये का आईपीओ 5

से 7 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 316.64 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 432.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 473.10 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 164.48 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 97.52 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 46.40 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

लोकसभा ने नए आयकर विधेयक को किया पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने संशोधित नया आयकर विधेयक- 2025 और कराधान विधियां (संशोधन) विधेयक- 2025 को पारित कर दिया है। केंद्रीय वित?त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसका संशोधित संस्करण पेश किया, जिसके तुरंत बाद आयकर (संख्या 2) विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी गई। ये विधेयक मौजूदा 1961 आयकर अधिनियम का स्थान लेने वाला है। यह विधेयक अब राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त करने से पहले राज्यसभा में जाएगा। यह नया आयकर कानून 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। आइए जानते हैं इसके कानून बन जाने से करदाताओं को क्या-क्या लाभ होगा। वित्त मंत्री ने भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली प्रवर समिति की करीब सभी सिफारिशों को शामिल करने के बाद संशोधित आयकर विधेयक- 2025 पेश किया। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कानूनों को समेकित और संशोधित करना है। इसके साथ ही लोकसभा ने कराधान विधि (संशोधन) विधेयक- 2025 को पारित कर दिया है, जिससे एकीकृत पेंशन योजना के अंशदाताओं को कर छूट प्रदान करने के लिए आयकर अधिनियम, 1961 और वित्त अधिनियम, 2025 में संशोधन का रास्ता आसान होगा।लोकसभा में पारित संशोधित नए आयकर विधेयक, 2025 के उद्देश्यों और कारणों के विवरण में कहा गया है, प्रवर समिति की लगभग सभी सिफारिशों को सरकार ने स्वीकार कर लिया है। इसके अतिरिक्त हितधारकों से ऐसे बदलावों के बारे में सुझाव प्राप्त हुए हैं जो प्रस्तावित कानूनी अर्थ को और अधिक सटीक रूप से व्यक्त करेंगे। इसमें पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को प्रतिस्थापित किया जाएगा, जिससे कर कानून को समेकित और सरल बनाया जाएगा। इसमें 23 अध्यायों में 536 धाराएं भी होंगी, जो 800 से अधिक धाराओं से एक महत्वपूर्ण कमी है। इस कानून में स्पष्टता में सुधार, प्रारूपण में सुधार, वाक्यांशों को सरेखित करने और परस्पर संदर्भों को बेहतर बनाने के लिए प्रवर समिति की 285 सिफ़ारिशें (32 प्रमुख परिवर्तनों सहित) शामिल हैं। मानव हस्तक्षेप को कम करने, पारदर्शिता बढ़ाने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए मूल्यांकन और अनुपालन प्रक्रियाएं फेसलेस और डिजिटल-प्रथम होंगी। कर अधिकारियों को कार्रवाई करने से पहले पूर्व सूचना जारी करनी होगी व प्रतिक्रियाओं पर विचार करना होगा। बिना किसी जुर्माने के आईटीआर की समय सीमा के बाद भी टीडीएस रिफंड की अनुमति देता है और गैर-देय करदाताओं के लिए अग्रिम शून्य-टीडीएस प्रमाणपत्रों का प्रावधान करता है। गृह संपत्ति आयः अब धाराएं स्पष्ट करती हैं कि नगरपालिका करों में कटौती के बाद 30 फीसदी की मानक कटौती लागू होती है और किराए पर दी गई संपत्तियों के लिए निर्माण-पूर्व ब्याज की अनुमति है, पांच वर्षों में ब्याज की अनुमति है। इसके अलावा परिवर्तित पेंशन (एलआईसी पेंशन फंड या एनपीएस जैसी विशिष्ट पेंशन योजनाओं से एकमुश्त भुगतान): अब पूरी तरह से कर-कटौती योग्य, पिछली अस्पष्टताओं का समाधान शामिल है।

बीएसएनल ने 5जी और डिजिटल तकनीकों में कौशल विकास के लिए वैश्विक कंपनियों से समझौता किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनल) ने चार वैश्विक तकनीकी कंपनियों एरिक्सन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज इंक., सिस्को सिस्टम्स और नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह कार्यक्रम केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

इन समझौतों का उद्देश्य भारत के डिजिटल परिवर्तन को तेज करना और कौशल विकास तंत्र को मजबूत बनाना है। इसके तहत बीएसएनएल के जबलपुर स्थित शीर्ष प्रशिक्षण संस्थान, भारत रत्न भीमराव आंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेलीकॉम ट्रेनिंग (बीआरबीआरएआईटीटी) में

5जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता/मशीन लर्निंग, नेटवर्किंग और डिजिटल तकनीकों में उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

यह पहल दूरसंचार विभाग (डीओटी) की उस व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत बीआरबीआरएआईटीटी में टेलीकॉम इनोवेशन, रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर (टीआईआरटीसी) स्थापित किया जाएगा। इसे उद्योग-नेतृत्व वाले राष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जो दूरसंचार क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के निर्माण पर केंद्रित होगा। यह केंद्र प्रधानमंत्री के 'स्किल इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप होगा। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में मध्य प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, दूरसंचार सचिव डॉ. नीरज मित्तल, बीएसएनएल के वरिष्ठ अधिकारी और भागीदार कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। समझौते पर बीएसएनएल के प्रबंध निदेशक ए. रॉबर्ट जे. रावी ने हस्ताक्षर किए। उनके साथ नोकिया इंडिया के कंट्री हेड तरुण छाबड़ा, सिस्को के एमडी हरीश कृष्णन, एरिक्सन इंडिया के एमडी नितिन बंसल और क्वालकॉम इंडिया के अध्यक्ष सवी सोनी शामिल थे।

खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने लोकसभा में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025 पेश किया। मंत्री रेड्डी ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह विधेयक खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में संशोधन करेगा।

संसद में पेश खनन कानूनों में संशोधन विधेयक का मुख्य उद्देश्य विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए राज्य वित्त पोषण को सक्षम बनाना है। सरकार का लक्ष्य इसके जरिए लिथियम, तांबा, कोबाल्ट और दुर्लभ मृदा तत्वों सहित बेहद जरूरी खनिजों की निरंतर और बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है, जो परमाणु ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष, रक्षा, दूरसंचार और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं। अभी इन खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला पर मुख्य रूप से चीन का प्रभुत्व है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर रहा है। सोना आज 800 रुपये से 880 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में गिरावट आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,400 रुपये से लेकर 1,01,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 92,950 रुपये से लेकर 93,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,15,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। ,01,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,950 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 93,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,550 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है।

स्टॉक मार्केट में बीएलटी लॉजिस्टिक्स की जोरदार एंट्री, मजूबत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। कंटेनर के जरिये ढुलाई करने और वेयर हाउस सर्विसेज मुहैया कराने वाली कंपनी बीएलटी लॉजिस्टिक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 75 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 21.27 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 90.95 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 95.49 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 27.32 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।बीएलटी लॉजिस्टिक्स का 9.72 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 से 6 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 560.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 81.80 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1,017.63 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 637.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 12.96 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए ट्रक और एंसिलरी इक्विपमेंट की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 22.68 प्रतिशत उछल कर 3.84 करोड़ रुपये और टोटल इनकम 21.36 प्रतिशत उछल कर 49.43 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इस दौरान कंपनी पर कर्ज भी 13.56 प्रतिशत बढ़कर 13.65 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

अकासा एयर थाईलैंड के लिए शुरू करेगी दैनिक उड़ान

नई दिल्ली। विमान सेवा कंपनी अकासा एयर अगले महीने थाइलैंड के लिए दैनिक उड़ान शुरू करेगी। एयरलाइंस ने बताया कि वह 20 सितंबर से मुंबई से थाईलैंड के फुकेट के लिए सीधी उड़ान शुरू करने वाली है। यह दक्षिण पूर्व एशिया के लिए उसके नेटवर्क में पहला और कुल मिलाकर छठा अंतर्राष्ट्रीय गंतव्य होगा। इसके लिए बुकिंग शुरू हो गयी है। फुकेट एक लोकप्रिय अंतर्राष्ट्रीय गंतव्य है, खासकर अपने समुद्र तटों और जीवंत संस्कृति के लिए। मुंबई से फुकेट की उड़ान क्यूपी 0618 सुबह 7.45 बजे रवाना होगी और स्थानीय समय के अनुसार दोपहर बाद 2.35 बजे वहाँ पहुँचेगी। वापसी की उड़ान क्यूपी 0619 स्थानीय समय के अनुसार 3.35 बजे फुकेट से रवाना होकर रात 7.15 बजे मुंबई में उतरेगी। अकासा एयर के सह-संस्थापक एवं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी प्रवीण अय्यर ने कहा कि इस उड़ान के साथ एयरलाइंस न सिर्फ आज के समय के भारतीय पर्यटकों की आकांक्षाओं को पूरा कर रही है बल्कि थाईलैंड और भारत के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को भी मजबूती प्रदान कर रही है। अकासा एयर की सह-संस्थापक नीलू खत्री ने कहा कि थाईलैंड लंबे समय से भारतीय पर्यटकों की पसंद रहा है और वहाँ के लिए किफायती यात्रा की माँग लगातार बढ़ रही है।

शेयर बाजार के प्रति बढ़ा लोगों का रुझान, डीमैट अकाउंट्स की संख्या 20 करोड़ के पार पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। निवेशकों की संख्या में तेजी आने के कारण जुलाई महीने में देश में डिमैट अकाउंट्स की संख्या 20 करोड़ के स्तर को भी पार कर गई है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार जुलाई महीने में 29.80 लाख नए डिमैट अकाउंट खोले गए। इसके कारण डिमैट अकाउंट्स की कुल संख्या बढ़कर 20.21 करोड़ के स्तर पर आ गयी है। शेयर बाजार के निवेशकों की संख्या का अनुमान डिमैट अकाउंट्स की संख्या के आधार पर लगाया जाता है। डिमैट अकाउंट के जरिए ही कोई निवेशक शेयर बाजार में खरीद-बिक्री कर सकता है या अपने खरीदे हुए शेयरों को सुरक्षित रख सकता है। इसलिए शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों की संख्या जितनी बढ़ेगी, उतना ही डिमैट अकाउंट्स की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। जुलाई में 29.80 लाख नए डिमैट अकाउंट खुलने की बात

इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि जुलाई महीने में शेयर बाजार में लगातार उठा पटक होता रहा। इसमें ज्यादातर समय बिकवाली का दबाव बना रहा। जुलाई के पहले जून महीने में सिर्फ 2.52 लाख नए डिमैट अकाउंट खोले गए थे। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि प्राइमरी मार्केट में बड़ी हलचल की वजह से डिमैट अकाउंट के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है। शेयर बाजार में निवेश प्राइमरी और सेकेंडरी दोनों मार्केट के जरिए होता है। फिलहाल पहले से लिस्टेड शेयरों की खरीद-बिक्री करने वाले सेकेंडरी मार्केट को छोटे निवेशक ओवर वैल्यूड मान रहे हैं। ऐसे निवेशक आईपीओ में निवेश करके प्राइमरी मार्केट के जरिये शेयर बाजार में अपना पैसा लगा रहे हैं।

खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि प्राइमरी मार्केट में जुलाई महीने में हलचल काफी तेज हुई। इसकी वजह से बड़ी संख्या में नए ने लोगों ने डिमैट अकाउंट खुलवाकर शेयर बाजार में निवेश करने का रास्ता अपनाया शेयर बाजार में एक्टिव होने के लिए ऐसे निवेश को ने प्रायमरी मार्केट में आईपीओ के जरिए अपनी एंट्री की। खुराना का मानना है कि फिलहाल ज्यादातर आईपीओ अच्छे वैल्यूएशन के साथ लॉन्च किया जा रहे हैं। इससे नए निवेशकों को सेकेंडरी मार्केट की तुलना में प्राइमरी मार्केट ज्यादा पसंद आ रहा है। इसी वजह से जुलाई महीने में डिमैट अकाउंट्स की संख्या में भी काफी बढ़ोतरी हुई है।

उत्तर-पश्चिमी तुर्किए में भीषण जंगल की आग, सैकड़ों लोग सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए

इस्तांबुल। तुर्किए के उत्तर-पश्चिमी प्रांत चनक्कले के मध्य भाग में भड़की जंगल की आग को काबू करने के लिए दमकलकर्मी लगातार प्रयास कर रहे हैं। तेज़ हवा के कारण आग तेजी से फैल रही है, जिसके चलते सैकड़ों लोगों को एहतियातन सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया हैप्रांतीय गवर्नर ओमर तोरामन ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर बताया कि आग बुझाने में हवाई जहाज़, हेलीकॉप्टर, दर्जनों वाहन और लगभग 700 कर्मी जुटे हैं। प्रभावित इलाकों में एक विश्वविद्यालय परिसर, सैन्य क्षेत्र और कई आवासीय क्षेत्रों को खाली कराया गया है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से गैर-जरूरी यात्रा से बचने और आपातकालीन वाहनों के लिए सड़कों को खाली रखने की अपील की है। आग की वजह से शहर का हवाई अड्डा, दारदानेल्स जलडमरूमध्य और राजमार्ग का एक हिस्सा अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। स्थानीय टीवी फुटेज में पहाड़ियों पर घना धुआं उठता दिखाई दिया, जबकि अनादोलु समाचार एजेंसी के वीडियो में पानी की बौछार करने वाले पुलिस वाहन, आवासीय भवनों तक फैली आग को बुझाते नज़र आए। तुर्किए के मौसम विभाग के अनुसार, क्षेत्र में तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

यूक्रेन-रूस युद्ध खत्म करने के लिए ट्रंप ने दिया जमीन अदला-बदली का सुझाव

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए दोनों देशों को एक-दूसरे को कुछ भूमि सौंपनी पड़ सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी वार्ता का उद्देश्य एक संभावित समझौते की संभावना परखना होगा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि वह शुक्रवार को अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे, जिसे वह प्रारंभिक बातचीत के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं पुतिन से कहूंगा कि यह युद्ध अब खत्म होना चाहिए। मैं जल्दी ही समझ जाऊंगा कि कोई प्रगति संभव है या नहीं।उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के साथ त्रिपक्षीय बैठक हो सकती है। ट्रंप के अनुसार, यूरोपीय नेताओं से भी वह पुतिन वार्ता के बाद चर्चा करेंगे, ताकि जल्द से जल्द संघर्षविराम स्थापित किया जा सके। हालांकि, अतीत में ट्रंप के भूमि-स्वैप सुझाव पर न तो रूस और न ही यूक्रेन ने सहमति दिखाई है। यूरोपीय देशों को आशंका है कि रूस को बड़े भू-भाग की रियायत देने से पश्चिम की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। फरवरी 2022 में शुरू हुए इस युद्ध में रूस फिलहाल यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत भूभाग पर कब्जा बनाए हुए है।

केंद्रीय और दक्षिणी इराक में बिजली गुल, अनबर प्रांत के पावर प्लांट में गड़बड़ी

बगदाद। इराक के केंद्रीय और दक्षिणी हिस्सों में अचानक बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बिजली मंत्रालय के मुताबिक, पश्चिमी अनबर प्रांत के हमीदिया पावर प्लांट के बंद हो जाने से यह संकट उत्पन्न हुआ है। मंत्रालय की ओर से बताया कि प्लांट के अचानक बंद होने से बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क में खराबी आ गई। हालांकि, इराकी संसद की ऊर्जा समिति के अध्यक्ष ने बताया कि इस ब्लैकआउट का असर अर्ध-स्वायत्त कुर्दिस्तान क्षेत्र पर नहीं पड़ा। तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) का सदस्य और विश्व के अग्रणी तेल उत्पादकों में शामिल इराक 2003 में सद्दाम हुसैन को हटाने वाले अमेरिका-नेतृत्व वाले हमले के बाद से अपने नागरिकों को स्थायी ऊर्जा आपूर्ति देने में संघर्ष कर रहा है। इसी साल मार्च माह में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने वह छूट वापस ले ली थी, जिसके तहत इराक को ईरान से बिजली के भुगतान की अनुमति थी। यह कदम ट्रंप की तेहरान के खिलाफ अधिकतम दबाव' अभियान का हिस्सा था। विद्युत उत्पादन के लिए इराक बड़े पैमाने पर ईरानी प्राकृतिक गैस आयात पर निर्भर है।

गाजा में संयुक्त राष्ट्र मिशन की मांग, इजराइल की युद्ध विस्तार योजना पर मैक्रों का प्रहार

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गाजा में नागरिकों की सुरक्षा और हमास को निरस्त्र करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के 'स्थिरीकरण' मिशन की मांग की है। यह अपील उस समय आई है जब इजराइल द्वारा गाजा सिटी पर सैन्य कब्जा बढ़ाने की योजना पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना तेज हो रही है। जारी बयान में मैक्रों ने कहा, 'संघर्ष का विस्तार अभूतपूर्व गंभीरता की आपदा और स्थायी युद्ध की ओर एक सीधी दौड़ है। इस रणनीति के पहले शिकार इजराइली बंधक और गाजा के लोग होंगे।' फ्रांसीसी राष्ट्रपति की यह मांग जुलाई में यूरोपीय संघ, अरब लीग और 17 देशों द्वारा हस्ताक्षरित उस दस्तावेज की प्रतिध्वनि है, जिसमें फिलिस्तीनी प्राधिकरण के अनुरोध पर ऐसे मिशन की स्थापना का आह्वान किया गया था। इस अस्थायी बल के लिए कुछ हस्ताक्षरकर्ता देश सैनिक भेजने को तैयार हैं। मिशन का उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा, भविष्य के किसी भी शांति समझौते की निगरानी और गाजा में सुरक्षा जिम्मेदारियों का हस्तांतरण फिलिस्तीनी प्राधिकरण को सुनिश्चित करना होगा। मैक्रों ने कहा, 'यह युद्ध अब स्थायी युद्धविराम के साथ समाप्त होना चाहिए।'

अमेरिकी इस्पात संयंत्र में विस्फोट, दो लोगों की मौत, 10 घायल

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के पेन्सिलवेनिया राज्य के पिट्सबर्ग के दक्षिण में मोनोंघेला नदी के एक मोड़ पर स्थित अमेरिकी इस्पात संयंत्र (यूएस स्टील क्लेयरटन संयंत्र) में सोमवार सुबह हुए भीषण विस्फोट से दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए। इस संयंत्र का संचालन यूएस स्टील क्लेयरटन कोक वर्क्स के हाथ में है। न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, इस विस्फोट की सबसे पहले सूचना सुबह 11 बजे से कुछ पहले बचावकर्मियों को दी गई। सोमवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में संयंत्र के अधिकारियों ने बताया कि मलबे से एकमात्र लापता कर्मचारी का शव निकाल लिया गया है। इससे पहले, सोमवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में यूएस स्टील क्लेयरटन संयंत्र के कार्यकारी

उपाध्यक्ष और मुख्य विनिर्माण अधिकारी स्कॉट बकिसो ने इस विस्फोट में दो लोगों की मृत्यु की पुष्टि की। एलेघेनी काउंटी पुलिस ने कहा कि पहला विस्फोट काफी शक्तिशाली रहा। इस विस्फोट के बाद एक और धमका हुआ, मगर उससे ज्यादा क्षति नहीं हुई। मृतकों में एक की पहचान 39 वर्षीय टिमोथी क्विन के रूप में हुई है। दूसरे की पहचान सोमवार रात तक नहीं हो पाई। अधिकारियों ने बताया कि 10 लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। इनमें पांच लोगों की हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई गई है। संयंत्र ने सोमवार दोपहर बयान जारी किया- पूर्वी समयानुसार सुबह लगभग 11 बजे, यूएस स्टील के क्लेयरटन प्लांट में विशेष रूप से कोक ओवन बैटरी 13 और 14 में एक दुर्घटना घटी। आपातकालीन टीमों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। हम घटना के कारणों की जांच के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। क्लेयरटन प्लांट में प्रतिदिन लगभग 1,300 पुरुष और महिलाएं काम करते हैं।

बलूचिस्तान में पाकिस्तान की सेना पर हमला, छह सैनिक मारे गए

एजेंसी
इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान के ग्वादर शहर में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में पाकिस्तान की सेना के छह सैनिक मारे गए। आईईडी हमला ग्वादर शहर के न्यू टाउन इलाके में हुआ। अज्ञात हमलावरों ने पाकिस्तान की सेना की टुकड़ी में शामिल एक वाहन को निशाना बनाया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि विस्फोट में वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गया और सोमवार सुबह करीब 10 बजे घटनास्थल से अवशेष हटा दिए गए। द बलूचिस्तान पोस्ट ने घटना का विवरण जारी करते हुए खबर में कहा कि पाकिस्तान के अधिकारियों ने इस हमले पर कोई बयान जारी नहीं किया है, जबकि सुरक्षा बलों ने हमले के बाद से इलाके की घेराबंदी कर रखी है। उधर, केच जिले के मांड इलाके में हथियारबंद लोगों ने माहीर और सोरो में सैन्य शिविरों पर एक साथ हमला किया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस दौरान भारी गोलीबारी और एक साथ कई विस्फोट हुए।इससे पहले अवारन के झाओ इलाके में हथियारबंद लोगों ने मुख्य सड़क पर स्थित एक लेवीज चौकी पर हमला कब्जा कर लिया। इस दौरान कर्मचारियों के सभी हथियार छीन लिए और चौकी को आग के हवाले कर दिया। पास के झाओ नौंद्रा में एक और पाकिस्तानी सैन्य चौकी पर हमला हुआ, जहां हमलावरों ने कथित तौर पर हमले के दौरान एक क्वाडकॉप्टर को मार गिराया। वाशुक जिले के बसिमा में सोमवार रात केंद्रीय सैन्य शिविर के पास आधे घंटे से अधिक समय तक लगातार गोलीबारी और विस्फोट की आवाज सुनाई दी। आसपास के निवासियों ने बताया कि लगातार 14 से ज्यादा विस्फोट की आवाज सुनाई दी।

गाजा पट्टी पर इजराइल के हमले में नौ नागरिक मारे गए

एजेंसी
गाजा पट्टी। इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के सुबह खान यूनिस और गाजा सिटी में हुए हमलों में नौ नागरिकों के मारे जाने का दावा किया गया है। फिलिस्तीनी प्राधिकरण की आधिकारिक समाचार एजेंसी वफा (डब्ल्यूएएफए) ने दो अस्पतालों के सूत्रों के हवाले से यह खबर प्रसारित की है। गाजा पट्टी के दक्षिण में खान यूनिस स्थित नासिर अस्पताल के चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि खान यूनिस के अल-मजयदा इलाके में आईडीएफ ने एक तंबू को निशाना बनाया। इस हमले के बाद पांच शव और कई घायलों को अस्पताल लाया गया। ऐसा ही एक दावा गाजा सिटी स्थित बैपटिस्ट अस्पताल के सूत्रों ने किया है। गाजा सिटी के इस अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, शहर के दक्षिण-पूर्व में अल-जैतून इलाके में अल-फारूक मस्जिद के पास अल-होसरी परिवार के घर पर इजराइली बलों ने बमबारी की। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई

और कई अन्य घायल हो गए। वफा के अनुसार, गाजा पट्टी के विभिन्न इलाकों में इजराइली गोलाबारी में 13 नागरिक मारे गए और अन्य कई घायल हो गए। आईडीएफ ने गाजा पट्टी के उत्तर-पश्चिम में अल-सुदानिया इलाके में सहायता चाहने वालों को निशाना बनाया। इस हमले में आठ लोग मारे गए और अन्य कई घायल हो गए। मध्य गाजा के देइर अल-बला में की गई बमबारी में पांच नागरिक मारे गए। फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बताया कि उत्तरी गाजा में अल-सरया फील्ड अस्पताल में लगभग 30 घायलों को भर्ती कराया गया है।

फिलिस्तीन की समाचार एजेंसी के अनुसार, सात अक्टूबर 2023 से आईडीएफ का गाजा पट्टी पर आक्रमण जारी है। इस आक्रमण में अब तक 61,499 नागरिकों की मौत हो चुकी है और और 153,575 अन्य घायल हुए हैं।

बांग्लादेश में म्यांमार की अराकान आर्मी के जवान ने आत्मसमर्पण किया

एजेंसी
ढाका। म्यांमार के रखाइन राज्य में सक्रिय विद्रोही सशस्त्र समूह अराकान आर्मी के एक जवान ने सुबह बांग्लादेश के कॉक्स बाजार के उखिया में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। बीजीबी के अधिकारियों के अनुसार, इस जवान ने बताया कि उसका नाम जिबोन टोनचोंग्या और उसकी उम्र 21 वर्ष है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, बीजीबी अधिकारियों ने बताया कि म्यांमार के रखाइन राज्य में सक्रिय विद्रोही सशस्त्र सशस्त्र समूह के सदस्य जिबोन ने एके-47 राइफल के साथ आत्मसमर्पण किया। उसने सुबह करीब 9 बजे एके-47 राइफल, दो मैगजीन और 52 राउंड गोला-बारूद बीजीबी सदस्यों को सौंप दिया। बीजीबी ने कहा कि जिबोन म्यांमार के रखाइन राज्य के मौंगडॉ टाउनशिप स्थित एक शिविर से भागकर बांग्लादेश में घुस आया था। उसने दावा किया कि उसका घर बंदरबन के नाइखोंगछारी उपजिला के गोरजबोनिया गांव में है। बीजीबी उखिया

बटालियन 64 के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद जसीम उद्दीन ने पत्रकारों को बताया कि इस व्यक्ति ने खुद को बांग्लादेशी नागरिक बताया है। उसकी पहचान और नागरिकता की पुष्टि की जा रही है। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपनी सुरक्षा के खतरे के कारण शिविर से भागा। उसने दावा किया है कि अराकान आर्मी के कम से कम 300 और सदस्य उसी शिविर से भागे हैं। उनमें से कुछ कभी भी बांग्लादेश में घुसपैठ कर सकते हैं। बीजीबी ने कहा कि उस व्यक्ति को हथियारों और गोला-बारूद के साथ हिरासत में ले लिया गया है और उसे उखिया पुलिस स्टेशन को सौंपने की तैयारी चल रही है। घुसपैठ रोकने के लिए सीमा पर निगरानी कड़ी कर दी गई है। इस बीच, स्थानीय सूत्रों ने बताया कि रविवार रात करीब 10 बजे सीमापार रखाइन राज्य में नाइखोंगछारी में घुमधुम सीमा के पास रुक-रुक कर गोलीबारी की आवाज सुनाई दी।

वाशिंगटन पुलिस पर फिलहाल राष्ट्रपति ट्रंप का नियंत्रण, कहा-जरूरत पड़ी तो सेना भी तैनात होगी

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने कहा कि जरूरत पड़ने पर राजधानी वाशिंगटन डीसी में सेना को भी तैनात करने से पीछे नहीं हटेंगे। राजधानी को हर हाल में अपराध मुक्त बनाया जाएगा। राष्ट्रपति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा करते हुए वाशिंगटन पुलिस को अपने नियंत्रण में लेने का आदेश दिया।द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, वह वाशिंगटन पुलिस बल अस्थायी रूप से अपने नियंत्रण में ले रहे हैं। साथ ही अमेरिकी राजधानी में अपराध से लड़ने के लिए 800 नेशनल गार्ड के सैनिकों को तैनात कर रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति ने वाशिंगटन शहर की भयावह तस्वीर पेश की। उन्होंने कहा कि राजधानी में खून के प्यासे अपराधियों और उग्र युवाओं की आवारा भीड़ का कब्जा हो गया है। वह जरूरत पड़ने पर वाशिंगटन में

सेना भेजने के लिए तैयार हैं। वाशिंगटन के अटॉर्नी जनरल ने ट्रंप की इस घोषणा की आलोचना करते हुए उसे अभूतपूर्व, अनावश्यक और गैरकानूनी बताया। ट्रंप की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी व्हाइट हाउस के पास जमा हो गए। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस विभाग पर संघीय नियंत्रण 30 दिन तक चलने की उम्मीद है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप के रक्षा सचिव और देश के शीर्ष कानून प्रवर्तन अधिकारी भी थे। ट्रंप ने देश के पर्यटकों से आग्रह किया कि वे व्हाइट हाउस या एयर एंड स्पेस म्यूजियम देखने की अपनी यात्रा के दौरान हत्याओं और कार चोरी की भयावह कहानियों से विचलित न हों। जल्द ही राजधानी बिलकुल सुरक्षित होगी। ट्रंप की घोषणा के बाद वाशिंगटन की मेयर म्यूरियल बोसर ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस आहूत की। उन्होंने कहा कि ट्रंप की घोषणा परेशान करने वाली है। उन्होंने विवशता जाहिर करते हुए कहा कि वह इसे रोकने के लिए कुछ नहीं कर सकतीं। 1973 का होम रूल एक्ट शहर को अपनी स्थानीय सरकार चुनने का अधिकार देता है, लेकिन राष्ट्रपति को स्थानीय कानून प्रवर्तन पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए 30 दिनों के लिए आपातकाल की घोषणा करने की भी अनुमति देता है।

अमेरिका ने पाकिस्तानी बलूच अलगाववादी संगठन 'बलूच लिबरेशन आर्मी' को आतंकी घोषित किया

एजेंसी
वॉशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सक्रिय अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) को विदेशी आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। बीएलए को लंबे समय से अफगानिस्तान और ईरान से सटे, खनिज संपदा से भरपूर बलूचिस्तान क्षेत्र में सक्रिय सबसे प्रभावशाली उग्रवादी गुट माना जाता है। यह इलाका चीन के निवेश वाले ग्वादर गहरे समुद्री बंदरगाह और अन्य परियोजनाओं के कारण रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के अनुसार, हाल ही में बीएलए ने मार्च में क्वेटा से पेशावर जा रही पाकिस्तानी 'जाफर एक्सप्रेस' ट्रेन को हाईजैक करने की जिम्मेदारी ली थी। इस घटना में 31 नागरिकों और सुरक्षा बलों के जवानों की मौत हुई थी, जबकि 300 से अधिक यात्री बंधक बना लिए गए थे। विदेशी आतंकी संगठन घोषित होने के बाद इस समूह को वित्तीय सहायता और किसी भी प्रकार की मदद प्रदान करना अमेरिकी कानून के तहत प्रतिबंधित हो गया है।

बाल यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार युवा पादरी से असेंबलीज ऑफ गॉड ने दूरी बनाई

एजेंसी
वाशिंगटन। युवा पादरी थॉमस पिंकर्टन जूनियर उर्फ पादरी टॉमी की बाल शोषण के आरोप में गिरफ्तारी से पेंटेकोस्टल संप्रदाय के असेंबलीज ऑफ गॉड के अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। पिंकर्टन की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब दुनिया का सबसे बड़ा पेंटेकोस्टल संप्रदाय बाल यौन शोषण के कई आरोपों से जूझ रहा है। इस संप्रदाय के संयुक्त राज्य अमेरिका के 13,000 चर्चों में लगभग 30 लाख सदस्य हैं। पादरी टॉमी की गिरफ्तारी होते ही असेंबलीज ऑफ गॉड के अधिकारियों ने उससे किनारा कर लिया है। न्यूज की खबर के अनुसार, 52 वर्षीय थॉमस पिंकर्टन जूनियर ने बाल्टीमोर काउंटी के असेंबलीज ऑफ गॉड चर्च (सेंट्रल क्रिश्चियन

चर्च) में काम करते हुए 2006 से 2010 तक छह किशोरों का यौन शोषण किया। पिछले बुधवार को उन्हें उनके गृह राज्य जॉर्जिया से मैरीलैंड प्रत्यर्पित किया गया। पिंकर्टन को अब बाल्टीमोर काउंटी में लगाए गए 24 गंभीर और अन्य आरोपों का सामना करना पड़ेगा। उनके वकील जस्टिन होलीमोन ने कहा कि उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है। गिरफ्तारी वारंट में आरोप लगाया गया है कि किशोरों के साथ कथित दुर्व्यवहार चर्च और मैरीलैंड स्थित पिंकर्टन के पूर्व घर में हुआ था। होलीमोन ने कहा कि पिछले सप्ताह एक न्यायाधीश ने पिंकर्टन को रिहा करने से इनकार कर दिया। इसलिए उन्होंने सोमवार सुबह पिंकर्टन की तरफ से जमानत याचिका दायर की है। असेंबलीज ऑफ गॉड के अधिकारियों ने कहा है कि पिंकर्टन असेंबलीज ऑफ गॉड चर्च में काम जरूर करते थे, लेकिन उन्हें कभी भी संप्रदाय के पादरी के रूप में औपचारिक रूप से मान्यता नहीं मिली। असेंबलीज ऑफ गॉड क्षेत्रीय कार्यालय के सचिव-कोषाध्यक्ष बेंजामिन रेनी जूनियर ने कहा, हमें इस रिपोर्ट के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ है और जब भी ऐसी रिपोर्टें सामने आती हैं, तो हम बेहद चिंतित होते हैं। उधर, मैरीलैंड स्थित पिंकर्टन के पूर्व चर्च ने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

अमेरिका के टेक्सास में टारगेट कंपनी के स्टोर के बाहर गोलीबारी, तीन लोगों की मौत

एजेंसी
वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के दूसरे सबसे राज्य टेक्सास के ऑस्टिन में सोमवार दोपहर टारगेट कंपनी के स्टोर के बाहर हुई गोलीबारी में एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इस गोलीबारी में एक अन्य व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया। पुलिस ने संदिग्ध आरोपित को भागने के बाद एक स्थान पर गिरफ्तार लिया। यह जानकारी ऑस्टिन पुलिस ने दी। न्यूज और द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, ऑस्टिन की पुलिस प्रमुख लिसा डेविस ने बताया कि पुलिस को दोपहर 2ः15 बजे गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। अधिकारियों को स्टोर की पार्किंग में तीन लोग लहूलुहान मिले। डेविस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए संदिग्ध हत्यारे की उम्र करीब 32 वर्ष है। उन्होंने बताया कि संदिग्ध खूनखराबा करने के बाद पार्किंग से किसी की कार चुराकर भाग गया। भागने की जल्दबाजी में वह दुर्घटना का शिकार हो गया। तब उसने दूसरी कार पर हाथ साफ किया और रफूचक्कर होने की कोशिश की। पीछा कर रही पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस प्रमुख ने कहा, ऑस्टिन के लिए दुखद दिन है।

पुलिस प्रमुख ने बताया कि पार्किंग में लहूलुहान मिले एक वयस्क और एक बच्चे को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। लहूलुहान मिले दूसरे वयस्क को अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि संदिग्ध पहचान फिलहाल उजागर नहीं की जा रही। वह मानसिक अवसाद में है। उसके गोलीबारी के पीछे के मकसद की जांच की जा रही है। ऑस्टिन की पुलिस प्रमुख लिसा डेविस ने बताया कि तीन दिन पहले एक 30 वर्षीय व्यक्ति ने रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अटलांटा मुख्यालय पर गोलीबारी की थी। इस गोलीबारी में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी। हमलावर बंदूकधारी ने इसके बाद आत्महत्या कर ली। पिछले महीने न्यूयॉर्क में एक बंदूकधारी ने मिडटाउन मैनहट्टन कार्यालय की इमारत में घुसकर चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

ब्राजील-अमेरिका मीटिंग टैरिफ विवाद के चलते रद्द

एजेंसी
साओ पाउलो। ब्राजील के वित्त मंत्री फर्नांडो हादाद ने बताया कि अमेरिका के वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट के साथ होने वाली उनकी वर्चुअल बैठक रद्द कर दी गई है। यह बैठक बुधवार को निर्धारित थी, जिसका उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा ब्राजील के कई उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क पर बातचीत करना था। हादाद ने ग्लोबोन्यूज़ टीवी से कहा कि बैठक के लिए नया समय तय नहीं हुआ है, जबकि ब्राज़ील ने पुनर्निर्धारण का अनुरोध किया था। उन्होंने अफसोस जताया कि अमेरिका के साथ टैरिफ पर बातचीत के लिए ब्राजील को मेज पर बैठने का मौका भी नहीं मिला। उन्होंने वॉशिंगटन में मौजूद कुछ छद्म-ब्राजीलियाई लॉबिस्टों की आलोचना की, जो उनके मुताबिक अपने ही देश के खिलाफ काम कर रहे हैं।टैरिफ बढ़ोतरी को ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति और उनके दक्षिणपंथी सहयोगी जाइर बोल्सोनारो के खिलाफ चल रहे मुकदमे से जोड़ा है। बोल्सोनारो पर 2022 के चुनावी हार के बाद कथित तख्तापलट की कोशिश के आरोप हैं। उनके बेटे और सांसद एडुआर्डो बोल्सोनारो मार्च से अमेरिका में रहकर इस मामले में जिम्मेदार लोगों पर प्रतिबंध लगाने के लिए अभियान चला रहे हैं। वित्त मंत्री हादाद ने कहा कि ब्राजील को अन्य बाजारों, खासतौर पर दक्षिण-पूर्व एशिया में, अधिक आक्रामक तरीके से अवसर तलाशने होंगे।

बलूच आतंकी नहीं, पाक प्रायोजित आतंकवाद के शिकारः मानवाधिकार कार्यकर्ता

एजेंसी
क्वेटा । अमेरिका ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और इसके अग्रणी संगठन 'द मजीद ब्रिगेड' को एफटीओ (विदेशी आतंकवादी संगठन) सूची में डाल दिया है। इस फैसले की मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने आलोचना करते हुए कहा कि बलूच आतंकी नहीं हैं बल्कि वो खुद पाक प्रायोजित आतंकवाद का शिकार हैं। बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने कहा कि बलूचिस्तान ने 78 वर्षों तक पाक प्रायोजित आतंकवाद, आर्थिक लूट, पाकिस्तान के परमाणु परीक्षणों से उत्पन्न रेडियोधर्मी विषाक्तता, विदेशी आक्रमण और चरमपंथी पाकिस्तान के 'क्रूर कब्ज' को झेला है। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान के लोग आईएस-खुरासान (आईएस-के) के शिकार हो रहे हैं। आईएस-के आतंकवादी संगठन आईएसआईएस की एक शाखा है, जिसे देश की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) फलने-फूलने दे रही है। मीर ने बताया कि आईएस-के ने हाल ही में बलूच राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा का आह्वान करते हुए एक तथाकथित फतवा जारी किया है। मीर ने एक्स पोस्ट में कहा, 'यह इस बात का एक और स्पष्ट उदाहरण है कि कैसे पाकिस्तान वैध राजनीतिक आवाजों को कुचलने, लोकतांत्रिक आकांक्षाओं को दबाने और क्षेत्र को अस्थिर करने के लिए कट्टरपंथी समूहों को हथियार देता है। मानवाधिकार कार्यकर्ता ने कहा कि पूरे इतिहास में, बलूच लोगों ने अमेरिका के प्रति अटूट सद्भावना दिखाई है, और अफगानिस्तान पर सोवियत आक्रमण के दौरान, उन्होंने कभी भी अमेरिका या सोवियत संघ के खिलाफ हथियार नहीं उठाए। 9/11 के बाद, मीर ने कहा कि नाटो की आपूर्ति लाइनें बलूचिस्तान से होकर गुजरती थीं, फिर भी बलूच स्वतंत्रता सेनानियों या नागरिकों ने अमेरिकी कर्मियों या काफिलों पर एक भी हमला नहीं किया था। इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने अमेरिका विरोधी रैलियां आयोजित कीं, आतंकवादियों को पनाह देते हुए अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाए।मीर ने यह भी कहा कि एक दशक तक, ओसामा बिन लादेन एबटाबाद में पाकिस्तानी सेना के संरक्षण में रहा।मीर ने दोहरे मानदंडों की आलोचना करते हुए कहा, पाकिस्तान के अपने नेताओं ने अमेरिका और पश्चिमी देशों के हितों के खिलाफ एक फर्जी जिहाद छेड़ने, सहयोगियों को धोखा देने और उग्रवाद को बढ़ावा देने की बात स्वीकार की है। फिर भी, इन्हीं कट्टरपंथियों को रणनीतिक साझेदार बताया जा रहा है, जबकि संसाधन संपन्न बलूचिस्तान की जमीन के असली मालिकों को आतंकवादी बताकर बदनाम किया जा रहा है। पाकिस्तान को सैन्य वर्दी में एक दुष्ट देश बताते हुए उन्होंने कहा कि उसने बार-बार खुद को वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और अंतर्राष्ट्रीय विश्वास के लिए दायित्व साबित किया है। मानवाधिकार कार्यकर्ता ने कहा कि बलूचिस्तान की स्वतंत्रता को मान्यता देने से अमेरिका को एक ऐसा सहयोगी मिलेगा, जो उदार, स्थिर और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप होगा। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान एक भ्रष्ट पाकिस्तानी सैन्य अभिजात वर्ग से कहीं बेहतर है, जिसे उसके अपने लोग भी अस्वीकार करते हैं, और उन्होंने वाशिंगटन से सत्य, न्याय और बलूचिस्तान के लोगों के साथ खड़े होने का आग्रह किया। बलूचिस्तान बुनियादी मानवाधिकारों के लिए पाकिस्तान के खिलाफ लड़ रहा है। ये क्षेत्र अपहरण, न्यायेतर हत्याओं और व्यवस्थित दमन का सामना कर रहा है।

योगी सरकार ने बढ़ाया लक्ष्य, 67.50 लाख बुजुर्गों को मिलेगा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ

लखनऊ, 12 अगस्त। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 61 लाख गरीब बुजुर्गों को वृद्धा पेंशन देने के अपने वादे को वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही पूरा कर लिया है। अब योगी सरकार चालू वित्तीय वर्ष में 67.50 लाख पात्र बुजुर्गों तक पेंशन की राशि पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे पहले बीते वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही योगी सरकार ने अपने लक्ष्य के अनुरूप 56 लाख गरीब बुजुर्गों के खाते में 1000 रुपये प्रतिमाह की दर से पेंशन की राशि देकर उनका आर्थिक सहायता कर चुकी है।

योगी सरकार ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वर्ष 2025-26 में वृद्धावस्था पेंशन योजना में पेंशनरों का लक्ष्य 61 लाख निर्धारित किया था, जिसे पहले ही वित्तीय वर्ष में प्राप्त कर आगे का नया लक्ष्य तय किया है। इस महत्वपूर्ण फैसले से योगी सरकार ने प्रदेश के बुजुर्गों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। साथ ही सिंगल नोडल एकाउंट (स्न्न) प्रणाली ने पेंशन की प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाया है, जहां पेंशन सीधे आधार-लिंक्ड खातों में जाती है, बिना किसी मध्यस्थ के।

- गरीब बुजुर्गों का ख्याल रख रही योगी सरकार
- गरीब बुजुर्गों के लिए वरदान बनी योजना
- डिजिटल और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत पात्र बुजुर्गों को मिल रहा लाभ

वृद्धावस्था पेंशन योजना योगी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का प्रमुख हिस्सा है, जो बुजुर्गों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने पर केंद्रित है। इस योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक उम्र के आर्थिक रूप से कमजोर वृद्धजनों को प्रतिमाह 1,000 रुपये की पेंशन प्रदान की जाती है, जिससे उनके जीवन के अंतिम वर्षों में वित्तीय परेशानियां कम होती हैं। योगी सरकार ने इस योजना को शुरू से ही प्राथमिकता दी है। 2017 में जब योजना का विस्तार शुरू हुआ, तब लाभार्थियों की संख्या 37.47 लाख थी, जो आज 67.50 लाख के लक्ष्य तक पहुंच गई है। यह वृद्धि सरकार की सक्रियता का नतीजा है, जहां विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर पात्र बुजुर्गों को चिह्नित किया गया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यदि तय लक्ष्य से अधिक पात्र मिलते हैं, तो उन्हें भी योजना में शामिल किया जाता है।

इस योजना के तहत पिछले कुछ वर्षों में लाभार्थियों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2018-19 में 40,71,580 वृद्धजनों को इस योजना का लाभ मिला, जिसमें ?187913.10 लाख की धनराशि खर्च की गई। 2019-20 में यह संख्या बढ़कर 47,99,480 हो गई और ?269774.45 लाख का व्यय हुआ। 2020-21 में 51,24,155 लाभार्थियों को ?369449.13 लाख की पेंशन मिली। 2021-22 में 51,92,779 वृद्धजनों को ?427790.56 लाख की पेंशन दी गई। 2022-23 में यह संख्या 54,97,237 तक पहुंच गई, और इस पर कुल ?608374.50 लाख खर्च हुए। 2023-24 में 55,68,590 वृद्धजनों को इस योजना का लाभ मिला है और इस पर कुल ?646434.06 लाख की धनराशि खर्च हो चुकी है।

2027 तक वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य को रफ्तार देगी नई औद्योगिक आस्थान प्रबंधन नीति

योगी कैबिनेट की मंजूरी के बाद नीति का विस्तृत ड्राफ्ट हुआ जारी

लखनऊ, 12 अगस्त। योगी सरकार ने प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई देने के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम औद्योगिक आस्थान प्रबंधन नीति को हरी झंडी दे दी है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य 2027 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने की दिशा में उद्योगों को आसान और पारदर्शी भूमि आवंटन, आधुनिक सुविधाओं और बेहतर प्रबंधन के जरिए बढ़ावा देना है। प्रदेश पहले से ही जनसंख्या के मामले में देश का सबसे बड़ा राज्य है और अर्थव्यवस्था में दूसरे स्थान पर है। अब सरकार का फोकस है कि चतुर्मुखी औद्योगिक विकास के लिए निवेशकों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रक्रियाएं उपलब्ध कराई जाएं। सरकार का लक्ष्य है कि इस नीति के माध्यम से प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए।

लीज और ई-ऑक्शन से होगी भूखंड आवंटन की पारदर्शी प्रक्रिया

नई नीति के तहत औद्योगिक आस्थानों में उपलब्ध भूमि, शेड और भूखंडों का आवंटन लीज/रेंट पर नीलामी या ई-ऑक्शन के जरिए किया जाएगा। लीज/रेंट की अवधि आयुक्त एवं निदेशक, उद्योग द्वारा तय की जाएगी, जबकि नीलामी पोर्टल का चयन भी आयुक्त एवं निदेशक के अधिकार क्षेत्र में होगा। इसके माध्यम से 20ब्र तक क्षेत्र का उपयोग व्यावसायिक /सेवा/आवासीय कार्यों के लिए किया जा सकेगा।

क्षेत्रवार रिजर्व प्राइस तयप्रदेश की भौगोलिक विविधता को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए औद्योगिक भूखंडों की रिजर्व प्राइस तय की गई है। इसके अंतर्गत मध्यांचल में 2,500/वर्गमीटर, पश्चिमांचल में 20% अधिक, यानी 3,000/वर्गमीटर, बुंदेलखंड व पूर्वांचल में 20ब्र कम, यानी 2,000/वर्गमीटर प्राइस निर्धारित किया गया है। इन दरों में हर साल 1 अप्रैल को 5ब्र वार्षिक वृद्धि होगी। यदि किसी औद्योगिक आस्थान में एंकर इकाई स्थापित होने से एमएसएमई इकाइयों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है, तो शासन विशेष दर पर भूखंड आवंटन का निर्णय ले सकेगा।

भुगतान की लचीली व्यवस्था

ई-ऑक्शन में सफल बोलीदाता को आरक्षित मूल्य का 10ब्र अर्नेस्ट मनी देना होगा। शेष राशि एकमुश्त, 1 वर्ष या 3 वर्ष में चुका सकते हैं। वहीं, तत्काल भुगतान पर उन्हें 2ब्र छूट मिलेगी। इसी तरह किस्त योजना में 12/36 समान मासिक किश्तें देय होंगी, जबकि विलंब पर दंड के रूप में अतिरिक्त ब्याज लगाया जाएगा।

नीति के तहत आरक्षण की भी व्यवस्था की गई है। कुल भूखंड/शेड का 10ब्र एससी/एसटी वर्ग के उद्यमियों को आवंटित होगा। यदि कोई योग्य आवेदक न मिले, तो भूखंड अन्य वर्ग को दिया जा सकेगा ताकि विकास में रुकावट न आए।

सुविधाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर

औद्योगिक आस्थानों में सामान्य सुविधा केंद्र, विद्युत उपकेंद्र, अग्निशमन केंद्र, महिला हॉस्टल, डॉरमेट्री, क्रेच, पर्यावरण हितैषी पार्क, प्रशिक्षण संस्थान व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

सतीश शर्मा ने स्किम्स में विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम में युवा सशक्तिकरण और खेल प्रोत्साहन पर प्रकाश डाला

श्रीनगर 12 अगस्त। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, परिवहन और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, सतीश शर्मा ने शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए राष्ट्र के परिवर्तन में युवाओं की अपार क्षमता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर स्किम्स के निदेशक डॉ. अशरफ गनी, अतिरिक्त निदेशक, ज़हूर अहमद मीर, वरिष्ठ संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम को विकसित भारत के .ष्टिकोण के रूप में वर्णित करते हुए, जहाँ युवा राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं, मंत्री ने कहा कि चूँकि भारत की जनसंख्या में युवाओं का प्रतिशत सबसे अधिक है, इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी उचित देखभाल की जाए और मादक द्रव्यों के सेवन के प्रसार को भी रोका जाए।

मंत्री ने कहा, खेल, शिक्षा, तकनीक और सामुदायिक सहभागिता को पूरे देश में अभूतपूर्व महत्व दिया गया है और हम अपने केंद्र शासित प्रदेश के हर कोने में इसी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। खेल केवल प्रतिस्पर्धा का विषय नहीं हैं, ये हमारे युवाओं में अनुशासन, एकता और ज़िम्मेदारी का निर्माण करते हैं।

स्वास्थ्य सेवा के अपने प्राथमिक मिशन के साथ-साथ खेलों को बढ़ावा देने के लिए स्किम्स की सराहना करते हुए, मंत्री ने नशा मुक्त भारत अभियान में इसके योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा, मादक द्रव्यों का सेवन जीवन और भविष्य को नष्ट कर देता है। स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक गतिविधियों को प्रोत्साहित करके, स्किम्स जैसे संस्थान वास्तविक बदलाव ला रहे हैं।

युवाओं को संबोधित करते हुए, सतीश शर्मा ने ज़ोर देकर कहा आप केवल भविष्य नहीं हैं, आप वर्तमान हैं। आज आप जो चुनाव करेंगे, वही कल के भारत का निर्माण करेंगे। उन्होंने बेहतर बुनियादी ढाँचे, कौशल विकास, खेल सुविधाओं और डिजिटल सशक्तिकरण के माध्यम से युवाओं को सहयोग देने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि खेल बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए स्किमस के अनुरोध पर प्राथमिकता के आधार पर विचार किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, जब हम युवाओं में निवेश करते हैं, तो हम देश के भविष्य में निवेश करते हैं।

सतीश शर्मा ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग को खत्म करने, समुदायों को मज़बूत करने और एक ऐसे भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया जहाँ स्वास्थ्य, शिक्षा और अवसर सभी के लिए सुलभ हों।

इस अवसर पर बोलते हुए, स्किम्स के निदेशक ने जीवन के विभिन्न पहलुओं में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये खिलाड़ी अर्थव्यवस्था और खेल जगत के आधार स्तंभ हैं और समय की मांग है कि इनका उचित क्षमता निर्माण किया जाए ताकि इनकी रचनात्मक ऊर्जा का समुचित उपयोग हो सके।

इस अवसर पर सतीश शर्मा ने राज्य कैंसर संस्थान में लिट सेवाओं, बूम बैरियर सिस्टम और बायो गैस संयंत्र का ई-उद्घाटन भी किया।

उपराज्यपाल ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में बीएसएफ की 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लिए साइकिल' रैली के 79 साइकिल चालकों को सम्मानित किया

श्रीनगर 12 अगस्त। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सीमा सुरक्षा बल द्वारा आयोजित 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लिए साइकिल' रैली में भाग लेने वाले 79 साइकिल चालकों को सम्मानित किया। यह साइकिल रैली 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के एक भाग के रूप में आयोजित की गई थी।

40 स्थानीय युवाओं और 39 बीएसएफकर्मियों वाले साइकिल चालकों ने 79 किलोमीटर, यानी बीएसएफ कैंपस बांदीपोरा, मानसबल, सुंबल, शालटेंग, हैदरपोरा, बख्शी स्टेडियम, फ्रंटियर मुख्यालय, बीएसएफ कश्मीर, हुमहामा, की दूरी तय की और हमारे भारत की विविधता, राष्ट्रीय एकता की भावना के मूल आदर्श का जश्न मनाया और साझा पहचान की भावना को बढ़ावा दिया।

उपराज्यपाल ने देश की रक्षा की पहली पंक्ति, बीएसएफ को उन बहादुर सैनिकों और अधिकारियों को श्रद्धांजलि देने के लिए बधाई दी, जिन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए अविश्वसनीय वीरता, साहस और बलिदान दिखाया है।

उन्होंने कहा कि यह रैली युवाओं को बीएसएफ, सेना और पुलिस बल में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित करेगी।

उपराज्यपाल ने कहा, बीएसएफ की 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत के लिए साइकिल' रैली ने रास्ते में कई कस्बों और गाँवों से गुज़रते हुए युवा पीढ़ी को प्रेरित किया और उन्हें हमारे संस्थापकों के .ष्टिकोण और निस्वार्थ सेवा के उनके आदर्शों की याद दिलाई। जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक नागरिक का यह परम कर्तव्य है कि वह उस मार्ग पर चलें और अपने सपनों का जम्मू-कश्मीर बनाएँ।

उपराज्यपाल ने कहा कि सभी साइकिल चालक भारत की साहस की चिरस्थायी परंपरा के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि 79 किलोमीटर की यह यात्रा भारत की स्वतंत्रता के 79 वर्षों और पिछले 79 वर्षों की उसकी यात्रा का प्रतीक है और प्रत्येक साइकिल चालक समाज की सच्ची शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, और प्रत्येक सैनिक राष्ट्र की शक्ति का प्रतीक है।

उपराज्यपाल ने कहा, कश्मीर से कन्याकुमारी तक, भारत एक है। 140 करोड़ भारतीयों का हृदय और आत्मा एक हैं और हम 140 करोड़ सदस्यों का एक बड़ा परिवार हैं।

परिवार की यह भावना और बंधन हमारी एकता को और मज़बूत करे। हमें 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को आत्मसात करना चाहिए और प्रत्येक नागरिक को व्यक्तिगत हितों से ऊपर राष्ट्र निर्माण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उपराज्यपाल ने युवा पीढ़ी और समाज के सभी वर्गों के लोगों से आत्म-मंथन करने और विकसित जम्मू-कश्मीर और विकसित भारत के लक्ष्य के लिए खुद को समर्पित करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

उपराज्यपाल ने समाज से उन विभाजनकारी तत्वों से सावधान और सतर्क रहने का भी आग्रह किया जो शांति और सामाजिक सद्भाव को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने प्रबुद्ध नागरिकों और नागरिक समाज के सदस्यों से हर घर तिरंगा अभियान में भाग लेने और प्रत्येक परिवार को इस महायज्ञ का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर, उपराज्यपाल ने पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले में शहीद हुए नागरिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा, ऑपरेशन महादेव और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमने पाकिस्तान की बर्बरता का बदला लिया है। अगर आतंकवादी देश पाकिस्तान हमारे नागरिकों का खून बहाएगा, तो उसे इसकी बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

सम्मान समारोह में आईजी बीएसएफ कश्मीर फ्रंटियर अशोक यादव, आईजी एसटीसी बीएसएफकश्मीर सोलोमन यश कुमार मिंज, बडगाम के उपायुक्त डॉ. बिलाल मोहिउद्दीन भट्ट, एसएसपी बडगाम निखिल बोरकर, बीएसएफ, नागरिक और पुलिस प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, साइकिल चालक और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

स्थानीय समाचार

सुरक्षा बढ़ाने के लिए सांबा के सीमावर्ती इलाकों में रात्रि कर्फ्यू लगाया गया

सांबा, 12 अगस्त (हि.स.)। सांबा के ज़िला मजिस्ट्रेट ने बीएसएफ के अभियानों में सहयोग देने और सुरक्षा व्यवस्था मज़बूत करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 2 किलोमीटर तक के इलाकों में रात्रि कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया है। यह प्रतिबंध अगले दो महीनों तक रोज़ाना रात 10ः00 बजे से सुबह 5ः00 बजे तक लागू रहेगा, जब तक कि इसे पहले वापस न ले लिया जाए।

ज़िला मजिस्ट्रेट आयुषी सूदन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सीमा पर निगरानी बढ़ाने और रात के समय नागरिकों की आवाजाही को नियंत्रित करके गैरकानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय में यह निर्णय लिया गया है।

कर्फ्यू के दौरान आवाजाही केवल वैध कारणों से ही की जा सकेगी और बीएसएफ या पुलिस कर्मियों द्वारा पूछे जाने पर व्यक्तियों को पहचान पत्र दिखाना होगा। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अब्दुल रहीम राथर ने श्रीनगर स्थित विधानमंडल हॉस्टल का औचक निरीक्षण किया

श्रीनगर 12 अगस्त। जम्मू और कश्मीर विधान सभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने श्रीनगर स्थित विधानमंडल हॉस्टल का औचक निरीक्षण किया और विधायकों की सुविधा के लिए हॉस्टल में चल रहे सभी विकास और उन्नयन कार्यों का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया।

विधानसभा सचिव मनोज कुमार पंडिता, विभिन्न शाखाओं के कार्यकारी अभियंता, विधान सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी भी इस दौरे के दौरान अध्यक्ष के साथ थे।

निरीक्षण के दौरान, अध्यक्ष ने हॉस्टल के नए ब्लॉक के विभिन्न खंडों का दौरा किया और नागरिक कार्यों, बुनियादी ढाँचे में सुधार और अन्य सुविधाओं की गति और गुणवत्ता का आकलन किया।

उन्होंने संबंधित कार्यकारी एजेंसियों को कार्यकुशलता के उच्च मानकों को बनाए रखने और निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सार्वजनिक संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाना चाहिए और कार्यों को इस तरह से निष्पादित किया जाना चाहिए जो गुणवत्ता और स्थायित्व दोनों को दर्शाता हो।

अध्यक्ष ने संबंधित कार्यकारी एजेंसी को हाल ही में आग लगने की घटना में क्षतिग्रस्त हुए कमरों का तत्काल जीर्णोद्धार करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने 2014 की बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुई परिसर की दीवार के निर्माण में लापरवाही बरतने और आज तक इसके पुनर्निर्माण में कोई प्रगति न होने पर भी कड़ी आपत्ति जताई।

बाद में, अध्यक्ष ने विधानमंडल हॉस्टल के कामकाज की समीक्षा के लिए एक संक्षिप्त बैठक की अध्यक्षता भी की।

बैठक के दौरान, अध्यक्ष ने हॉस्टल प्रबंधन को विधायकों की समकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हॉस्टल में उचित, नियमित रखरखाव और आधुनिक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, फ़विधायक लोकतंत्र और जनता का चेहरा हैं, और उन्हें सम्मान के साथ आवश्यक सुविधाओं की आवश्यकता है।फ़

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि हॉस्टल के कामकाज में सुधार से न केवल विधायकों को लाभ होगा, बल्कि जिस संस्थान में वे कार्यरत हैं, उसकी गरिमा भी बनी रहेगी।

इस बीच, बैठक के दौरान, अध्यक्ष ने विधानमंडल हॉस्टल के कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं का भी जायजा लिया।

उन्होंने विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों को पात्र कर्मचारियों की डीपीसी बैठकें समय पर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से हॉस्टल में उचित अनुशासन बनाए रखने और कर्मचारियों के लिए उचित वर्दी कोड सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने जीर्णोद्धार कार्यों का जायजा लेने के लिए शालीमार गार्डन का दौरा किया

श्रीनगर 12 अगस्त। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ऐतिहासिक मुगल गार्डन शालीमार का दौरा किया और जेएसडब्ल्यू फ़ाउंडेशन की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत चल रहे संरक्षण कार्यों का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री के साथ पुष्प-कृषि, उद्यान एवं पार्क आयुक्त सचिव, पुष्प-.षि कश्मीर के निदेशक और जेएसडब्ल्यू फ़ाउंडेशन के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

इस दौरान, मुख्यमंत्री ने गुलाबी मंडप, रानी महल और काली मंडप सहित उद्यान के विभिन्न प्रमुख विरासत स्मारकों का निरीक्षण किया। जीर्णोद्धार और संरक्षण गतिविधियों की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्य की गति में तेजी लाने और विरासत संरक्षण के मूल तत्व को बनाए रखते हुए सभी चिन्हित लंबित कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए मौके पर ही निर्देश जारी किए गए।

गौरतलब है कि शालीमार सहित कश्मीर के छह मुगल उद्यान वर्तमान में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की संभावित सूची में शामिल हैं। पुष्प .षि विभाग ने इन विरासत उद्यानों की मौलिकता, प्रामाणिकता और सांस.तिक अखंडता को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने हेतु जीर्णोद्धार और संरक्षण कार्य शुरू किए हैं।

वर्तमान में चल रहे संरक्षण कार्य संरचनात्मक जीर्णोद्धार, भू.श्य विकास, स्थापत्य विशेषताओं के संरक्षण और पर्यटक सुविधाओं के संवर्धन पर केंद्रित हैं, ये सभी स्थल के ऐतिहासिक स्वरूप के अनुरूप हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस अमूल्य धरोहर की सुरक्षा में विभाग और जेएसडब्ल्यू फ़ाउंडेशन के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की और निरंतर संरक्षण उपायों की आवश्यकता पर बल दिया।

पहलगाम में आईसीएआई की 445वीं परिषद बैठक में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सदस्यों से बातचीत की

पहलगाम 12 अगस्त। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम के मनोरम पर्यटन स्थल में आयोजित भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान की 445वीं परिषद बैठक के दौरान इसके सदस्यों से बातचीत की।

आईसीएआई के 130 सदस्य, अपने परिवारों सहित, इस चार दिवसीय बैठक में भाग ले रहे हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने इस वर्ष अप्रैल में बैसरन में हुई दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद घटना के बाद पहलगाम को इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए चुनने और जम्मू-कश्मीर सरकार में विश्वास जताने के लिए आईसीएआई का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, आपकी यहाँ उपस्थिति केवल प्रतीकात्मक नहीं है; यह जम्मू-कश्मीर में हम सभी के लिए वास्तव में मनोबल बढ़ाने वाली है।

उन्होंने आगे कहा, यह इस जगह, इसकी .ढ़ता और इसके भविष्य में आपके विश्वास को दर्शाता है। आप अपने परिवारों के साथ यहाँ आए हैं, यह विश्वास और समर्थन का एक सशक्त संदेश देता है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में आईसीएआई के दीर्घकालिक योगदान पर प्रकाश डाला और संगठन की वैश्विक उपस्थिति को स्वीकार किया।

उन्होंने पंचायतों, शहरी स्थानीय निकायों और स्मार्ट शहरों सहित जमीनी स्तर पर सुशासन, पारदर्शिता, लागत-कुशल समाधान और बेहतर लेखा प्रणालियों को बढ़ावा देने में आईसीएआई और जम्मू-कश्मीर सरकार के बीच सहयोग के महत्व पर ज़ोर दिया।

उन्होंने कहा, सरकारों को सार्वजनिक धन का सर्वोत्तम उपयोग करना चाहिए। आपकी विशेषज्ञता और देश भर में सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुभव का लाभ उठाकर, हम ऐसे समाधान अपना सकते हैं और लागू कर सकते हैं जो हमारे लोगों के लिए सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाएँ।

पहलगाम की .ढ़ता पर विचार करते हुए, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में हुई दुखद घटनाओं के बावजूद, इस शहर ने अमरनाथ यात्रा का सफ़लतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें चार लाख से अधिक तीर्थयात्री शामिल हुए। उन्होंने आगे कहा, उन कठिन समय के तुरंत बाद आपकी यहाँ की यात्रा उत्साहजनक और विनम्र दोनों है।

मुख्यमंत्री ने आईसीएआई के सदस्यों को जम्मू-कश्मीर फ़िर से आने और पहलगाम के अलावा गुलमर्ग, सोनमर्ग और श्रीनगर सहित इसके कई आकर्षणों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया।

एक कश्मीरी कहावत, वंदे चले, शीन गाल'ए भेई एई बहार (सर्दी बीत जाएगी, बर्फ पिघलेगी और बसंत फ़िर आएगा) का हवाला देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, आपकी यहाँ उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि बसंत हमेशा लौटता है। हमारे लिए उस नवीनीकरण का हिस्सा बनने के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ और आपको बार-बार हमारे यहाँ आने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

मुख्यमंत्री ने नीति से लाभ तकः लक्षित सरकारी पहलों के माध्यम से जम्मू-कश्मीर में एमएसएमई राजस्व में वृद्धि पर रिपोर्ट भी जारी की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, आईसीएआई के अध्यक्ष चरणजोत सिंह नंदा ने आईसीएआई के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की।